हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 94 | जौनपुर, शनिवार 30 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

पीएम मोदी आज अयोध्या में : रामनगरी को 16 हजार करोड़ की परियोजनाओं का मिलेगा उपहार

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन अयोध्या में 'विकास के नए युग' को प्रारंभ करने वाला साबित होगा। इस अवसर पर देश को एक नया अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट मिलने के साथ अयोध्या को 16 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री मोदी अपने इस दौरे में एयरपोर्ट, हाईवे, रेलवे स्टेशन व रेलवे लाइन दोहरीकरण के साथ कई बड़ी परियोजनाओं की सौगात अयोध्या को देंगे। इनमें श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर खासतौर से फोकस होगा। चार प्रमुख पथों का भी लोकार्पण होगा। इसके साथ वर्चुअल बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री के रोड शो के लिए तय रूट पर सुरक्षा और साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था के निर्देश देते हुए कहा कि इस दौरान पूरी अयोध्या राममय नजर आए। मठ-मंदिरों को सजाया जाए। भव्य तोरणद्वार तैयार बनाए जाएं। सांस्कृतिक मंडलियों द्वारा रुचिकर प्रस्तुतियां

अलावा प्रदेश के अन्य जिलों की कुछ परियोजनाएं भी शामिल की गई हैं। मोदी के अयोध्या दौरे को योगी ने 'अविस्मरणीय समारोह' बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए उन्होंने वरिष्ठ मंत्री सूर्य प्रताप शाही, दयाशंकर सिंह, अयोध्या के महापौर सहित स्थानीय प्रशासन के

हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए अयोध्यावासी भी उत्सुक हैं, लिहाजा उन्हें यथोचित स्थान दें। साधु-संतों द्वारा पुष्पवर्षा कर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया जाना है। उनसे संवाद बनाएं। यह रोड शो जनता के लिए है, ऐसे में जनभावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। रूट में पड़ने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले रहें। व्यवसायियों को प्रतिष्ठान की साज सज्जा के लिए प्रोत्साहित करें।

सीएम ने कहा कि इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। सभा में करीब 2 लाख लोगों की भीड़ जुटेगी। लिहाजा, भीड़ प्रबंधन पर फोकस किया जाए। सभा स्थल एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर चिकित्सकों की तैनाती करें। सुरक्षा के दृष्टिगत एरियल सर्विलांस भी हो। यातायात को लेकर भी सीएम ने जरूरी निर्देश दिए। प्रधानमंत्री शनिवार की सुबह अयोध्या में छह वंदे भारत व दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें से अयोध्या-आनंद बिहार वंदे भारत व दिल्ली-दरभंगा अमृत भारत ट्रेन को अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से व अन्य को वर्चुअल माध्यम से रवाना करेंगे। पीएम अयोध्या धाम स्टेशन पर तैयार नए भवन का लोकार्पण भी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में छह वंदे भारत व दो अमृत भारत समेत आठ एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें से वह अयोध्या-आनंद बिहार वंदे भारत व दिल्ली-दरभंगा अमृत भारत ट्रेन को अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से व अन्य ट्रेनों को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाएंगे। इसके साथ ही वह स्टेशन पर तैयार नए भवन का लोकार्पण भी करेंगे। रेलवे द्वारा जारी कार्यक्रम में समारोह सुबह 11 बजे प्रारंभ होगा। वहीं, रेलवे ने जर्क फ्री यात्रा की सुविधा देने का दावा किया है। रेलवे द्वारा सूची के अनुसार प्रधानमंत्री अयोध्या-दरभंगा (एनआर) व मालना टाउन-बेंगलुरु (ईआर) अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस ने किया किनारा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा की अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के महत्व पर सवाल उठाने वाली हालिया टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया और कहा कि वह इस मामले पर पार्टी के रुख को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। कांग्रेस संचार प्रभारी जयराम रमेश ने स्पष्ट किया कि समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में व्यक्त किए गए पित्रोदा के विचार ष्उनके अपनेष थे और पार्टी की आधिकारिक स्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

रमेश ने कहा, वह कांग्रेस का दृष्टिकोण नहीं बता रहे हैं, यह उनका दृष्टिकोण है।ष उन्होंने कहा कि पित्रोदा कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं बोलते हैं। कांग्रेस ने शुक्रवार को वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा की अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के महत्व पर सवाल उठाने वाली हालिया टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया और कहा कि वह इस मामले पर पार्टी के रुख को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। कांग्रेस संचार प्रभारी जयराम रमेश ने स्पष्ट किया ।

महर्षि वाल्मिकी के नाम पर रखा जाएगा अयोध्या के नए हवाई अड्डे का नाम

अयोध्या (एजेन्सी)। कुछ रिपोर्ट के अनुसार बताया कि अयोध्या में नए हवाई अड्डे का नाम ऋषि कवि महर्षि वाल्मिकी के नाम पर रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, नए एयरपोर्ट का नाम श्महर्षि वाल्मिकी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या धामश होगा। जानकारी के अनुसार ष्अत्याधुनिक हवाई अड्डे के चरण 1 को 1,450 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल 6500 वर्ग मीटर होगा, जो सालाना लगभग 10 लाख यात्रियों की सेवा के लिए सुसज्जित होगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, ष्टर्मिनल बिल्डिंग अयोध्या के आगामी श्री राम मंदिर की मंदिर वास्तुकला को दर्शाती है। टर्मिनल बिल्डिंग के अंदरूनी हिस्सों को भगवान श्री राम के जीवन को दर्शाते हुए स्थानीय कला, चित्रों और भित्ति चित्रों से सजाया गया है। अयोध्या हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन विभिन्न स्थिरता सुविधाओं से सुसज्जित है जैसे कि एक इंसुलेटेड छत प्रणाली, एलईडी प्रकाश व्यवस्था, वर्षा जल संचयन, फव्वारे के साथ भूदृश्य, एक जल उपचार संयंत्र, सीवेज उपचार संयंत्र, सौर ऊर्जा संयंत्र और ऐसी कई अन्य सुविधाएं प्रदान की गई हैं। पीएमओ ने कहा कि हवाई अड्डे से क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे पर्यटन, व्यावसायिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी अयोध्या में 2,180 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित की जा रही ग्रीनफील्ड टाउनशिप की आधारशिला भी रखेंगे। पीएम मोदी दो नई अमृत भारत ट्रेनों और छह नई वंदे भारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे।

बोर्ड की बैठक में सभासदों में हुई जमकर मारपीट

शामली (एजेन्सी)। नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक के दौरान हंगामेदार स्थिति पैदा हो गई, जहां नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल और विधायक प्रसन्न चौधरी मौजूद थे। नगर परिषद में चार करोड़ की विकास परियोजनाओं पर चर्चा के लिए बुलाई गई बैठक देखते ही देखते दो परिषद सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक और मारपीट में तब्दील हो गई। नगर पालिका बोर्ड की बैठक पूरी तरह से कुश्ती के मैदान में तब्दील हो गई और दोनों सदस्यों ने बाएं, दाएं और केंद्र में एक-दूसरे पर घूंसे बरसाए। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को शामली में एक बैठक में नगर परिषद सदस्यों द्वारा एक-दूसरे पर मुक्के बरसाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष किया।

दिल्ली-पंजाब की झांकी रिजेक्ट, आप का भाजपा पर वार

पार्टी ने आज कहा कि झांकी को अस्वीकार करने का असली कारण यह था कि इसमें मुख्यमंत्री और अरविंद केजरीवाल की तस्वीरें थीं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को केंद्र द्वारा गणतंत्र दिवस परेड के लिए पंजाब की झांकी को स्वीकार नहीं करने पर आम आदमी पार्टी (आप) के श्गंदी राजनीतिश के आरोप का जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इस मामले पर बेशर्मी से झूठ बोल रहे हैं। मान द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर पंजाब के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद, पार्टी ने आज कहा कि झांकी को अस्वीकार करने का असली कारण यह था कि इसमें मुख्यमंत्री और अरविंद केजरीवाल की तस्वीरें थीं। दिल्ली बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा पंजाब की झांकी को अस्वीकार करने का असली कारण यह है कि इसमें माई भागो जी या शहीदों की बजाय अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान की तस्वीरें प्रमुखता से दिखाई गईं! मान साहब बेशर्मी से झूठ बोल रहे हैंय और सबसे बुरी बात यह है कि उन्होंने पंजाब की संप्रभुता केजरीवाल के चरणों में सौंप दी है। आपने परिवर्तन के नाम पर पंजाब को केजरीवाल का गुलाम बना दिया। गुरुवार को आप ने केंद्र पर पंजाब की झांकी को बाहर करने का कोई कारण नहीं बताने का आरोप लगाया। आप नेता प्रियंका कक्कड़ ने शुक्रवार को कहा कि गणतंत्र दिवस परेड में दिल्ली और पंजाब की झांकी को शामिल न करना बीजेपी की गंदी राजनीति को दर्शाता है। असम, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों को लगातार गणतंत्र दिवस परेड में (अपनी झांकी दिखाने का) मौका दिया जाता है, लेकिन पिछली बार की तरह इस बार भी दिल्ली और पंजाब को दरकिनार कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार गणतंत्र दिवस परेड में स्वास्थ्य और शिक्षा मॉडल का प्रदर्शन करना चाहती थी और दिखाना चाहती थी कि हाल के वर्षों में इन मॉडलों के माध्यम से दिल्ली में कितना बदलाव देखा गया है, लेकिन दुर्भाग्य से इसकी अनुमति नहीं दी गई। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली की गणतंत्र दिवस की झांकी को केंद्र सरकार ने तीन साल के लिए खारिज कर दिया है... 2022 में थीम संकल्प 75 थी जिसमें हमारे डिजाइन को दूसरे दौर की बैठकों में खारिज कर दिया गया था। 2023 में, थीम श्नारी शक्तिश थी, हमारे डिजाइन को फिर से खारिज कर दिया गया था, और 2024 में, थीम श्विकित भारतश है और हमारी झांकी को फिर से खारिज कर दिया गया था, भले ही दिल्ली सरकार के शिक्षा और स्वास्थ्य मॉडल को झांकी में चित्रित किया गया हो।

प्रधानमंत्री के फ्लीट का हुआ रिहर्सल, अमृत भारत ट्रेन भी अयोध्या धाम पहुंची

अयोध्या (ऐजेन्सी) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पूर्व शुक्रवार को सुरक्षा कर्मियों ने रिहर्सल किया। प्रधानमंत्री का फ्लीट अयोध्या एयरपोर्ट के गेट नंबर 3 से निकला जो हाईवे होते हुए धर्मपथ व रामपथ के रास्ते टेढ़ी बाजार होकर अयोध्या रेलवे स्टेशन पहुंचा। फ्लीट में करीब 50 से ज्यादा गाड़ियां थी। इस दौरान हाइवे समेत फ्लीट के गुजरने वाले मार्ग को खाली कर लिया गया। धर्मपथ और रामपथ पर सड़क के दोनों किनारो पर बेरिकेडिंग लगा दी गई है। गली कूंचों से भी लोगों को सड़क पर निकलने नहीं दिया जा रहा है। एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन पर भारी सुरक्षा बल तैनात है। पूरी अयोध्या को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। राम नगरी में सुरक्षा को लेकर ड्रोन के जरिए परखी चौकसी। कल प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर ड्रोन उड़ाकर रिहर्सल किया गया। लता मंगेशकर चौक से राम पथ और धर्मपथ पर ड्रोन उड़ाया गया। उधर, रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जय वर्मा अयोध्या धाम स्टेशन पहुंची। अमृत भारत ट्रेन भी अयोध्या धाम रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री के अयोध्या आगमन से पूर्व उनके अभिनंदन और रोड शो में पहुंचने के लिए आज अयोध्या धाम के टेढ़ी बाजार चौराहे पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने जनसंपर्क कर स्वच्छता अभियान चलाया।

रेवंत रेड्डी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली (एजेन्सी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि मोदी दवा आने वाले दिनों में देश में काम नहीं करेगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि हर दवा की एक समाप्ति तिथि होती है। इसी तरह, नरेंद्र मोदी की दवा भी जल्द ही समाप्त हो जाएगी। मोदी दवा अब देश में काम नहीं करेगी। रेवंत रेड्डी कांग्रेस के 139वें स्थापना दिवस के मौके पर नागपुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। रेवंत रेड्डी ने संसद सुरक्षा उल्लंघन पर भी पीएम मोदी पर निशाना साधा और कहा कि नरेंद्र मोदी हमेशा अपने बारे में छप्पन (56 इंच) सीने वाले व्यक्ति के रूप में दावा करते थे। लेकिन जब एक आम आदमी लोकसभा में प्रवेश करता है और हंगामा करता है तो वह कुछ नहीं कर पाते।

पीएम मोदी ने आठ पूर्व नौसैनिकों को फांसी के फंदे से बचाया

पीएम मोदी ने कतर के शेख तमीम बिन अमद अल थानी से मुलाकात और सैकड़ों फोन कॉल्स का ही असर है कि भारत को इस मामले में बड़ी जीत मिली है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मोदी है तो मुमकिन है। सियासी मिजाज में लोगों को भले ही ये महज एक नारा लगे, लेकिन जमीन पर इसका असर सात समुंदर पार भी दिखाई पड़ रहा है। कतर में 28 दिसंबर को जो कुछ भी हुआ उससे न सिर्फ सजा-ए-मौत पाने वाले आठ नौसैनिकों और उनके परिवार के चेहरे खिले हैं बल्कि करोड़ों भारतीयों को भी ये राहत देने वाली खबर है। कतर में फंसे भारीतय नेवी के आठ पूर्व अफसरों की सजा पर रोक ऐसे ही नहीं लगी है। ये भारत के कूटनीतिक जीत की कहानी है। ये पीएम मोदी के कतर के शेख तमीम बिन अमद अल थानी से मुलाकात और सैकड़ों फोन कॉल्स का ही असर है कि भारत को इस मामले में बड़ी जीत मिली है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि कतर की कोर्ट से आठ भारतीयों की सजा को कम कर दिया गया है। विस्तृत फैसले का इंतजार है। हम लीगल टीम और आठों भारतीयों के परिवार के संपर्क में हैं। कोर्ट में सुनवाई के दौरान भारतीय राजदूत और दूसरे अधिकारी मौजूद थे। हम शुरू से ही आठों भारतीयों के साथ खड़े थे और आगे भी सभी कानूनी व कॉस्लर मदद करते रहेंगे। इस मामले को कतर के अधिकारियों के सामने आगे भी उठाते रहेंगे। मतलब मोदी सरकार बस इतने पर ही नहीं रुक गई कि फांसी की सजा तो रुक गई लेकिन बाकी की जिंदगी वो जेल में ही रहेंगे। अब इनकों वहां से बचाने के लिए क्या करना है इस पर फोकस किया जा रहा है। पीएम मोदी फांसी की सजा पाए आठ भारतीयों के लिए चिंतित थे। भले ही पीएम मोदी ने सीधे-सीधे इस मामले का जिक्र नहीं किया। लेकिन बिना कहे भी कतर तक अपना मैसेज पहुंचा दिया था। 1 दिसंबर 2023 को संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान कतर के अमीर शेख तमीम बिन अमद अल थानी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने कतर के शेख से आठ भारतीयों को फांसी की सजा के मुद्दे पर बात नहीं की थी। लेकिन पीएम मोदी ने मुलाकात के बाद जो ट्वीट किया था उससे पता चलता है कि पीएम मोदी ने कतर के शेख को क्या मैसेज दिया था। पीएम मोदी ने ट्वीट में लिखा था कि दुबई में जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान कतर के अमीर शेख तमीम बिन अमद अल थानी से मुलाकात हुई। हम दोनों के बीच भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय साझेदारी की संभावना और कतर में भारतीय समुदाय के हितों पर अच्छी चर्चा हुई है।

ममता बनजी बोली बंगाल में केवल TMC ही बीजेपी को सबक सिखा सकती है

पश्चिम बंगाल (एजेन्सी)। जनवरी के पहले सप्ताह में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा कर सकती है। इन सब के बीच पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी लगातार कांग्रेस को आंखें दिखाने की कोशिश कर रही है। एक बार फिर से ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कहा है कि पश्चिम बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा को सबक सिखा सकती है। इसका मतलब साफ है कि ममता बनर्जी ने कांग्रेस के साथ-साथ इंडिया गठबंधन में शामिल लेफ्ट के नेताओं को भी संदेश दे दिया है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और इंडिया गठबंधन में भी राज्य में इसकी भूमिका बड़ी रहनी चाहिए। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस आमने-सामने होते हैं। इसके अलावा वामपंथी दल और कांग्रेस के बीच गठबंधन भी पश्चिम बंगाल में रहता है जिसका मुकाबला ममता बनर्जी की पार्टी से होता है। ममता ने अपने बयान में कहा इंडिया गठबंधन पूरे देश में होगा। बंगाल में टीएमसी लड़ेगी और बीजेपी को हराएगी। उन्होंने कहा कि याद रखें, बंगाल में केवल टीएमसी ही बीजेपी को सबक सिखा सकती है।

जोमैटो की बढ़ी मुश्किलें! नोटिज जारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)।लोकप्रिय फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो को वित्तीय चुनौती का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसे 402 करोड़ रुपये की अवैतनिक राशि के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों से कारण बताओ नोटिस मिला है। यह नोटिस 29 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2022 की अवधि से संबंधित है। केंद्रीय मुद्दा जोमैटो द्वारा अपने ग्राहकों से एकत्र किए गए डिलीवरी शुल्क पर जीएसटी की सरकार की मांग के इर्द-गिर्द घूमता है। इकोनॉमिक टाइम्स ने बताया कि जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने नवंबर में प्रमुख खाद्य वितरण प्लेटफार्मों, जोमैटो और स्विगी को प्री-डिमांड नोटिस जारी किया, जिसमें माल और सेवा कर (जीएसटी) भुगतान में कुल 750 करोड़ रुपये की मांग की गई।

जदयू अध्यक्ष पद से ललन सिंह का इस्तीफा, नीतीश को फिर से मिली कमान

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ललन सिंह ने अपने इस्तीफा के साथ ही नीतीश कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे स्वीकार भी कर लिया गया है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अब तक हम सुनते आ रहे थे कि बड़े चुनाव से पहले किसी भी पार्टी के अध्यक्ष के कार्यकाल को बढ़ाया जाता है ना कि उसे हटना पड़ता है। हालांकि, वर्तमान की राजनीतिक परिदृश्य में यह आज संभव हो गया है। पिछले दिनों बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष ललन सिंह को लेकर जो खुसफुसाहट साफ तौर पर दिखाई दे रही थी, आज उसका अंत हो गया है। आखिरकार ललन सिंह को जदयू के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा है। हालांकि, ललन सिंह ने इस्तीफा दिया है या उनसे दिलवाया गया है, यह उनके अलावा कोई नहीं जानता है। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ललन सिंह ने अपने इस्तीफा के साथ ही नीतीश कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे स्वीकार भी कर लिया गया है। ऐसे में यह साफ हो गया है कि जदयू का एक बार फिर से नेतृत्व नीतीश कुमार करने जा रहे हैं। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि आखिर ललन सिंह को इस्तीफा क्यों देना पड़ा, आखिर जदयू में उठापटक की स्थिति क्यों है और नीतीश कुमार ने अपने हाथ में कमान क्यों ले ली है? ललन सिंह पर सबसे बड़ा आरोप यह लग रहा था कि वह नीतीश की पार्टी में रहते हुए लालू यादव के बेहद करीबी हो गए थे। यह नीतीश कुमार को पसंद नहीं था। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा था कि अध्यक्ष रहते हुए ललन सिंह पार्टी को एकजुट नहीं रख पा रहे थे। नीतीश कुमार तक ललन सिंह को लेकर कई शिकायतें पहुंच रही थीं। यह शिकायतें पार्टी के पदाधिकारी, विधायक, सांसद की ओर से की जा रही थी। ललन सिंह का एरोगेंट नेचर भी नेताओं को परेशान कर रहा था। दावा तो यह भी किया जा रहा है कि राजद के साथ मिलकर ललन सिंह नीतीश कुमार को ही कमजोर करने की कोशिश में लग गए थे। जदयू के 16 सांसदों में से 13 ललन सिंह के खिलाफ थे। इसके अलावा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी ललन सिंह को नहीं भाते थे। पिछले दिनों अशोक चौधरी जो कि नीतीश कुमार के बेहद करीबी हैं, उनसे ललन सिंह की तकरार हुई थी जिससे अच्छा संदेश नहीं गया था। दावा यह अभी किया जाता है कि वह ललन सिंह ही थे जिन्होंने बीजेपी का साथ छोड़कर राजद के साथ गठबंधन करने के लिए नीतीश कुमार को सलाह दी थी। इसके अलावा ललन सिंह नीतीश कुमार को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बैटिंग नहीं कर पाए हैं। नीतीश ने जब पार्टी की कमान अपने हाथ में ले ली है, तब वह हर तरीके से सहयोगी दलों के साथ डील खुद करेंगे। इसके साथ ही वह पार्टी में किसी भी संभावित फुट को भी रोक सकते हैं। ललन सिंह को पूरी तरीके से भाजपा विरोधी माना जाता रहा है। ऐसे में अगर नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने की कोई संभावनाएं बनती हैं तो उसमें कोई बाधा नहीं रहेगा।

कर्नाटक के एक मकान में मिले पांच रहस्यमय इंसानी कंकाल, कुत्तों ने खाई खोपड़ी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में एक घर के अंदर एक ही परिवार के पांच सदस्यों के कंकाल पाए गए। रिश्तेदारों ने पुलिस को बताया कि परिवार पूरी तरह से एकांत जीवन जी रहा था और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। पांचों को आखिरी बार जुलाई 2019 के आसपास देखा गया था और उनके आवास पर ताला लगा हुआ था। घटनास्थल की आगे की जांच से घर के अंदर कई बार तोड़फोड़ के संकेत मिले। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची, उन्हें एक कमरे में चार कंकाल (दो बिस्तर पर और दो फर्श पर) मिले, जबकि एक अन्य कंकाल दूसरे कमरे में मिला। इस बीच, देवेंगेरे से फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम और सीन ऑफ क्राइम ऑफिसर्स (एसओसीओ) को सबूत इकट्ठा करने के लिए बुलाया गया और घर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई। चित्रदुर्ग के जेल रोड स्थित एक घर के अंदर पुलिस को पांच लोगों के कंकाल मिले हैं। फोरेंसिक टीम और सीन ऑफ क्राइम के अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और नमूने एकत्र किए। यह घटना तब सामने आई जब पुलिस को एक खोपड़ी के बारे में जानकारी मिली जो एक घर के सामने देखी गई थी।

सम्पादकीय

अपेक्षाओं में दबी सपनों की आवाजें, इस माहौल को बदलने की दरकार

राजस्थान का कोटा शहर मशहूर है अपने कोचिंग संस्थानों के लिए, जो जेईई और नीट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करते हैं। लेकिन यहां के एक परेशान करने वाले आंकड़े की गूंज 2023 में देश भर में सुनाई दी, जो युवा दिमागों पर शैक्षणिक दबाव के कष्टदायक असर की भी याद दिलाते हैं। सिर्फ 2023 में शहर में करीब 28 छात्रों ने आत्महत्या की, जो इसका प्रतीक है कि उच्च प्रतिस्पर्धी माहौल में युवाओं के सपने किस तरह अक्षम्य वास्तविकता से टकराते हैं। यह आंकड़ा कोचिंग संस्थानों की पारिस्थितिकी में निहित जटिलताओं को रेखांकित करता है और बताता है कि ये कैसे देश की शैक्षिक व्यवस्था में गुंथी हुई हैं। भारत में ज्यादातर 12वीं कक्षा के छात्रों की कहानी सिर्फ दो महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में सफलता की खोज तक सीमित है। विशिष्ट इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए जेईई और प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों के लिए नीट परीक्षा। उम्मीदवारों की संख्या और उपलब्ध सीटों के बीच भारी असमानता, जो दस फीसदी से भी कम है, इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा को कई गुना बढ़ा देती है। इससे एक ऐसे माहौल को बढ़ावा भी मिलता है, जहां दबाव पनपता है और छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि कोटा के प्रेशर कुकर माहौल में छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं में किस तरह वृद्धि हुई है। 2022 में 15, 2019 में 18 और 2018 में 20 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इस उच्च जोखिम वाले परिदृश्य के बीच राज्य की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। अपेक्षाकृत कमजोर वर्ग के बच्चों को कोचिंग देने के लिए विभिन्न कोचिंग संस्थानों के साथ सहयोग अनजाने में इन पृथक केंद्रों के अस्तित्व और कथित जरूरत को मजबूत करता है, जिससे युवाओं के दिमाग पर तनाव और बढ़ता जाता है। नए वर्ष की शुरुआत हमें आत्मनिरीक्षण और पुनर्मूल्यांकन का अवसर दे रही है। कोचिंग संस्थानों का विनियमन किया जाना जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी है अभिभावक और समाज की तरफ से पड़ने वाले दबाव को कम करना, जो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार भी छात्रों को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का सबसे बड़ा कारण है। प्रत्येक बच्चा अद्वितीय हैश, का मंत्र केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे सामाजिक व्यवहार का आधार बनाने की जरूरत है। इसके लिए जरूरी है कि एक समावेशी शैक्षिक परिदृश्य का निर्माण हो, ताकि छात्रों पर बेवजह दबाव न हो। वर्ष 2024 की शुरुआत ऐसे शैक्षिक वातावरण को बनाने के संकल्प से होनी चाहिए, जिसमें विविध प्रतिभाओं को पनपने का अवसर मिल सके और हर बच्चा अपनी विशिष्टता के अनुसार कॅरिअर का चुनाव कर सके। यह महत्वपूर्ण क्षण एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत का भी समय होना चाहिए, जिसमें शिक्षा कुछ प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की संकीर्ण सीमाओं को पार करती हो, क्योंकि ऐसा होने पर ही शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य में खरी उतर पाएगी। यह आंकड़ा कोचिंग संस्थानों की पारिस्थितिकी में निहित जटिलताओं को रेखांकित करता है और बताता है कि ये कैसे देश की शैक्षिक व्यवस्था में गुंथी हुई हैं। भारत में ज्यादातर 12वीं कक्षा के छात्रों की कहानी सिर्फ दो महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में सफलता की खोज तक सीमित है। विशिष्ट इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए जेईई और प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों के लिए नीट परीक्षा। उम्मीदवारों की संख्या और उपलब्ध सीटों के बीच भारी असमानता, जो दस फीसदी से भी कम है, इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा को कई गुना बढ़ा देती है। इससे एक ऐसे माहौल को बढ़ावा भी मिलता है, जहां दबाव पनपता है और छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि कोटा के प्रेशर कुकर माहौल में छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं में किस तरह वृद्धि हुई है। 2022 में 15, 2019 में 18 और 2018 में 20 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इस उच्च जोखिम वाले परिदृश्य के बीच राज्य की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। अपेक्षाकृत कमजोर वर्ग के बच्चों को कोचिंग देने के लिए विभिन्न कोचिंग संस्थानों के साथ सहयोग अनजाने में इन पृथक केंद्रों के अस्तित्व और कथित जरूरत को मजबूत करता है, जिससे युवाओं के दिमाग पर तनाव और बढ़ता जाता है। नए वर्ष की शुरुआत हमें आत्मनिरीक्षण और पुनर्मूल्यांकन का अवसर दे रही है।

राजनीति के दूषित माहौल में वास्तविक अर्थ खोज रहे हैं शब्द

आज के समय में, जब अपने राजनीतिक विश्वास के समर्थन में बातें कही जाती हैं, और जब सुनियोजित साजिश के तहत बातें उघाड़ी और छिपाई जाती हैं, तब ऑरवेल के सुनहरे दिनों में लौटना सुखद होगा, जिनका गद्य आज भी लेखन की कसौटी है। अपने एक बहुपठित लेख में, ऑरवेल ने बताया था कि राजनीति किस तरह शब्दों को दूषित करती है, वह लिखते हैं, श्फासिज्म का अर्थ घटते–घटते अब सिर्फ एक ऐसा शब्द रह गया है, जिसका आशय है अवांछित । लोकतंत्र, समाजवाद, स्वतंत्रता, देशभक्ति, आदि ऐसे शब्द हैं, जिनके कई–कई अर्थ है, लेकिन इन शब्दों को एक दूसरे की जगह पर नहीं रखा जा सकता। अब लोकतंत्र शब्द को ही ले लीजिए–सिर्फ यही नहीं कि इसकी कोई सर्वस्वीकृत परिभाषा नहीं है, बल्कि इसकी कोई एक परिभाषा तय करते ही चारों तरफ से इसका विरोध शुरू हो जाएगा। हालांकि तमाम लोग यह मानते हैं कि किसी देश को लोकतांत्रिक बताना वस्तुतरू उसकी प्रशंसा करना है रू इसका नतीजा यह है कि कोई देश चाहे लोकतांत्रिक हो या नहीं, उसके समर्थक उसे लोकतंत्र ही बताते हैं। उन्हें इसका डर भी सताता है कि अगर लोकतंत्र का कोई एक अर्थ तय कर दिया गया, तब वह अपने देश के लिए लोकतंत्र शब्द का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। ऐसे शब्दों का इस्तेमाल जान–बूझकर बेईमानी के इरादे से किया जाता है।' मैंने उनके लेख, पॉलिटिक्स ऐंड इंग्लिश लैंग्वेज से यह लंबा पैराग्राफ उद्धृत किया, क्योंकि उन्होंने फासिज्म के पतन और उदारवादी, लोकतांत्रिक विश्व व्यवस्था के उदय के दौरान वर्ष 1946 में जो कहा था, वह राजनीतिक वितंडावाद के मौजूदा दौर में भी गहरे तौर पर याद रखने लायक है। स्थिति यह है कि अपनी सच्चाई साबित करने के लिए आज शब्दों का नए सिरे से इस्तेमाल किया जाता है, और हमें ऐसा लगता है कि जो हम सुन रहे हैं, वह महज वास्तविकता नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व से जुड़ा विवाद है। फासिज्म के उभार से संबंधित न सिर्फ बातें की जाती हैं, बल्कि यही हर दौर में विमर्श तय भी करता है। आज जब यूक्रेन इस शताब्दी की सबसे बड़ी दबंगई से जूझ रहा है, तब पुतिन और उनके समर्थक जेलेंस्की के पराक्रम को फासिज्म बताते हैं। इससे कोई मतलब नहीं कि इस संदर्भ में पुतिन के लिए फासिज्म शब्द ज्यादा उपयुक्त है, जिसका वास्तविक अर्थ है राष्ट्र की नियति पर ज्यादा जोर देना और इस प्रक्रिया में राष्ट्र को लगी चोट, उसका हुआ अपमान और राष्ट्र के गौरव की बात सुनियोजित ढंग से बार–बार उभारना। जब शब्द इतिहास की बाड़ेबंदी से बाहर निकलकर विभिन्न भूगोलों और विचारधाराओं में विचरण करते हैं, और फिर एक दूसरे समय की बाड़ेबंदी में रुककर गोला–बारूद की भूमिका निभाने लगते हैं, तब वे एक विवादास्पद वास्तविकता की बुनियाद बन जाते हैं। इन शब्दों से जो कहानियां बनती हैं, वे अच्छे और बुरे के बीच स्पष्ट विभाजक रेखा खींच राजनीति को नैतिक ड्रामा में बदल देती हैं। ऑरवेल ने और जिन तीन शब्दों– लोकतंत्र, स्वतंत्रता और देशभक्ति–का जिक्र किया, उनका ही उदाहरण ले लीजिए। इन शब्दों की सुस्पष्ट परिभाषा के बिना पहचान और राष्ट्रीय नियति के बारे में आज कुछ कहा ही नहीं जा सकता। लोकतंत्र का अर्थ सिर्फ वह नहीं है, जिस बारे में एक देश में रहने वाले लोग बताते हैं कि यह शासन की सर्वोत्तम प्रणाली है। लोकतंत्र के समर्थन में उनके बोलने के बावजूद इसकी सीमाओं और इसकी विशेषताओं के बारे में बहुत कुछ अनकहा रह जाता है। जब एक अधिनायकवादी अपने लोगों पर शासन करने को लोकतंत्र कहता है, तब वह झूठ बोलता है। विडंबना यह है कि अधिनायकवादी हमेशा ही यह झूठ बोलते हैं। ऑरवेल द्वारा उद्धृत किए एक दूसरे शब्द स्वतंत्रता को आज भी लगातार लोकतंत्र के अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है। जिन्होंने स्वतंत्रता को संपूर्ण सत्य का दर्जा दिया हो, उस प्रगतिशील वर्ग की नैतिकता भी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और नस्लीय मुद्दों पर समझौते करती रही है।

कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया कुश्ती संघ के विवाद ने

अशोक मधुप

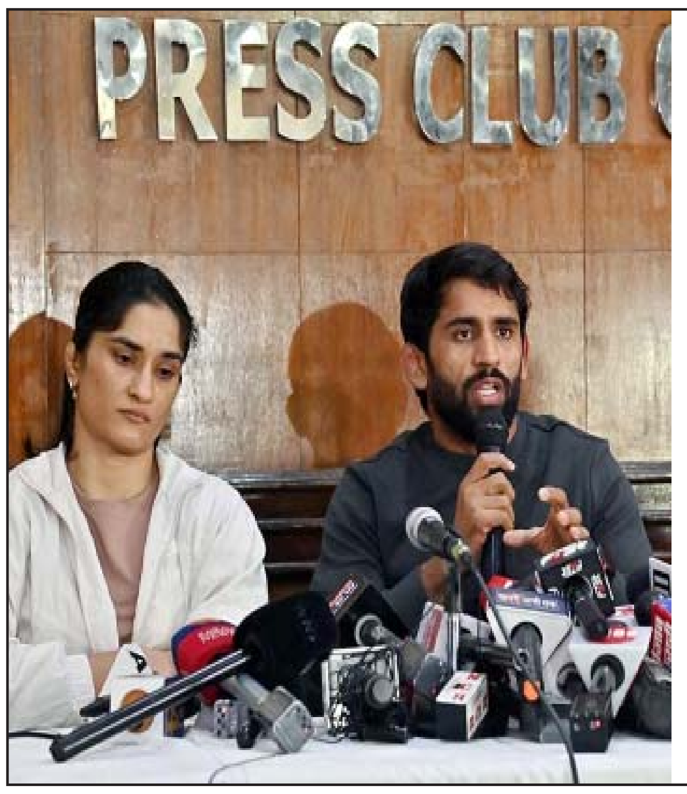

कहीं और भी ट्रायल हो सकते थे। ये ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में ट्रायल कर विरोध करने वाले पहलवानों को अपना प्रभाव और दबदबा बताना चाहते थे। इससे बडी बात क्या होगी कि इन ट्रायल की तारीख तय करते समय एसोसिएशन के सचिव की सहमति भी नहीं ली गई। न उन्हें ट्रायल की तारीख तय होने की जानकारी है। जबकि एसोससिएशन के संविधान के अनुसार ये होना चाहिए था। एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान सचिव प्रेम चंद लोचब ने इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को पत्र लिख कर बताया था कि सचिव की जानकारी के बिना ये निर्णय लिए गए हैं जबकि कुश्ती संघ का संविधान कहता है कि सचिव की अनुपस्थिति में न तो निर्णय लिए जा सकते हैं और न ही कोई और अधिकारी इन निर्णयों की जानकारी प्रसारित कर सकता है।

पिछले लगभग एक साल के भारतीय कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया। यह नुकसान दिख नहीं रहा किंतु इसकी भारपायी के लिए बड़ा प्रयास करना होगा। खेल मंत्रालय ने नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर इस खेल को बचाने के लिए बड़ा संदेश दिया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से फेडरेशन का कामकाज चलाने के लिए एक तदर्थ समिति बनाने को कहा है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ का संचालन राष्ट्रीय खेल विकास संहिता में दिए राष्ट्रीय खेल फडरेशन के कामकाज की तरह करना सुनिश्चित करने को कहा गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रहेगी। भारतीय कुश्ती संघ के बीते गुरुवार को चुनाव कराए गए थे। इसमें संघ के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह अध्यक्ष चुने गए थे। चुने जाते ही संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह के अंडर–15 और अंडर–18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा की थी। यह क्षेत्र सांसद बृजभूषण शरण सिंह का गृह जनपद है। वर्तमान में सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे यहां से विधायक हैं। सरकार ने इस ट्रायल को ही रद्द कर दिया है। इस चुनाव का अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने विरोध किया था। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों की इस लड़ाई में ये तीनों पहलवान प्रमुख रूप से शामिल थे। कुछ महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। संजय सिंह के चुनाव के बाद ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वहीं बजरंग पूनिया ने अपना श्पद्मश्रीश लौटा दिया था। हरियाणा के पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह ने पद्म श्री लौटाने का ऐलान किया था। दरअसल इस चुनाव को रद्द करने का कारण सरकार का सांसद बृजभूषण शरण सिंह को झटका देना था। इनके बेटे और नजदीकियों ने अंडर–15 और अंडर–18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा के बाद क्षेत्र में बड़े हार्डिंग लगवाए थे कि दबदबा तो है, दबदबा रहेगा. ..ये भगवान की देन है। ये वहीं पोस्टर हैं जिनका प्रदर्शन सांसद के विधायक बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह ने भी खुलेआम किया था। चुनाव के रद्द होने के बाद गाड़ियों से भी श्दबदबाश वाले स्टीकर और चौराहों पर लगे हार्डिंग भी हटा दिए गए। चुनाव के बाद नए अध्यक्ष की अंडर–15 और अंडर–18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा और ये पोस्टर सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके नजदीकियों के इरादे बताने के लिए काफी था। वरन स्टेडियम तो पूरे देश में बने हैं। कहीं और भी ट्रायल हो सकते थे। ये ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में ट्रायल कर विरोध करने वाले पहलवानों को अपना प्रभाव और दबदबा बताना चाहते थे। इससे बडी बात क्या होगी कि इन ट्रायल की तारीख तय करते समय एसोसिएशन के सचिव की सहमति भी नहीं ली गई। न उन्हें ट्रायल की तारीख तय होने की जानकारी है। जबकि एसोससिएशन के संविधान के अनुसार ये होना चाहिए था। एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान सचिव प्रेम चंद लोचब ने इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को पत्र लिख कर बताया था कि सचिव की जानकारी के बिना ये निर्णय लिए गए हैं जबकि कुश्ती संघ का संविधान कहता है कि सचिव की अनुपस्थिति में न तो निर्णय लिए जा सकते हैं और न ही कोई और अधिकारी इन निर्णयों की जानकारी प्रसारित कर सकता है। छह माह से ज्यादा पहले पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि अब उनका कुश्ती से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कुश्ती को लेकर क्या करना है, इसका फैसला नए चुए गए पदाधिकारियों को करना है। उन्होंने कहा कि उनके पास कई और भी काम हैं। उन्होंने कहा कि वो इस खेल की राजनीति से दूर रहेंगे। ये घोषणा उन्होंने भाजपा के अध्यक्ष जेपी नडडा से मिलने के बाद की। लगता है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नडडा ने उन्हें समझा दिया कि टिकट बचाना है तो कुश्ती से दूर रहें। हालाकि उन्होंने कह दिया कि कुश्ती से उनका कोई लेना–देना नहीं है जबकि सच्चाई यह है पद से हटने के छह माह बाद भी कुश्ती संघ का कार्यालय उनके घर पर चल रहा है। कुश्ती संघ को निलंबित किए जाने के बाद आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा, श्यह सही निर्णय लिया गया है। जो हमारी बहन–बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है उसके खिलाफ संबंधित लोगों को पूरी तरह से हटाया जाना चाहिए। हमारे ऊपर कई इल्जाम लगाए गए। राजनीति की गई। जब हम पदक जीतते हैं तो देश के होते हैं। हम खिलाड़ी कभी भी जात–पात नहीं देखते। एक साथ एक थाली में खाते हैं। हम अपने तिरंगे के लिए खून–पसीना बहाते हैं। वहीं इस पर ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा है कि यह उनका (बृजभूषण सिंह) राजनीतिक एजेंडा है, उस पर उन्हें कुछ नहीं कहना है। साक्षी ने कहा कि उनकी श्लड़ाई सरकार से नहीं बल्कि एक व्यक्ति से हैश। कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट ने एक निजी चौनल से बात करते हुए कहा, ष्ये अच्छी खघ्बर है। हम चाहेंगे कि इस पद पर कोई महिला आनी चाहिए ताकि ये संदेश जाए कि महिलाएं आगे बढ़ें। जो भी हो कोई अच्छा आदमी आना चाहिएष। पिछले एक साल से चले आ रहे कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती का बहुत नुकसान पहुंचाया है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर महिला पहलवानों के आरोप लगने के बाद से ही सरकार को उन्हें हटा देना चाहिए था, किंतु ऐसा नही हुआ। इसका परिणाम यह है कि आज अभिभावक खेल में अपनी बेटी का भेजते कई बार सोचेंगे।वे पहले ही अपनी बेटी की सुरक्षा और सम्मान को लेकर चिंतित रहते हैं, इस प्रकरण ने उनकी चिंता और बढ़ायी है। अब वे बेटी को खेल विशेषकर कुश्ती में भेजते कई बार सोंचेंगे। सरकार ने नए चुनाव का भले ही रद्द कर दिया हो किंतु लंबे समय से कुश्ती संघ में दबदबा कायम रखें बृजभूषण सिंह और उनके नजदीकी चुप नहीं बैठने वाले नहीं हैं। वे सरकार के इस निर्णय के विरूद्ध कोर्ट जांएगे। इनका प्रयास होगा कि कुश्ती संघ उनके हाथ से न जा पाए। सरकार ने नए चुनाव को रद्द करके यह संदेश देने का प्रयास किया है कि निश्चित रूप से कुश्ती संघ को नियमों का पालन करना होगा और किसी तरह की कोई कोताही बरतने से परहेज रखना होगा। खेल संघ से राजनैतिक लोगों को दूर रखने के लिए सरकार को काम करना चाहिए। खिलाड़ी भी यदि राजनीति में आ जाए तो उसे भी खेल संघ से बाहर ही रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कार्ट भी खेल संघों में राजनैतिक दखल को लेकर चिंता जता चुका है। किंतु हुआ कुछ नहीं। खेल संघों में खिलाडी होने चाहिए। वे खेल और खिलाड़ी को ज्यादा समझते हैं। राजनेता नहीं। मंत्रालय को बेपटरी हुए कुश्ती संघ को पटरी पर लाने उसमें खिलाडियों और पहलवानों का विश्वास जमाने को बहुत कुछ करना होगा। संघ में खिलाड़ी लाने होंगे। अच्छा रहें कि कुश्ती संघ की गरिमा बचाने और बेटी की सुरक्षा की चिंता करते परिवारजनों को आश्वास्त करने के लिए कुश्ती संघ का अध्यक्ष किसी महिला खिलाड़ी को बनाए। कहीं और भी ट्रायल हो सकते थे। ये ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में ट्रायल कर विरोध करने वाले पहलवानों को अपना प्रभाव और दबदबा बताना चाहते थे। इससे बडी बात क्या होगी कि इन ट्रायल की तारीख तय करते समय एसोसिएशन के सचिव की सहमति भी नहीं ली गई। न उन्हें ट्रायल की तारीख तय होने की जानकारी है।

यूपी कांग्रेस को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर हो रहे हैं प्रयास

बताया गया है कि यूपी में पार्टी के अंदर उत्साहित नेताओं की कमी है। यूपी कांग्रेस के नेता केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे रहना चाहते हैं, जिसकी वजह से ना तो वहां पार्टी खड़ी हो पा रही है और ना ही जीत मिल रही है, जबकि तेलंगाना के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के सहयोग से पार्टी खड़ी कर ली और चुनाव भी जीत लिया। वहां चार नेता ऐसे थे जो सीएम बनना चाहते थे, इसलिए सबने मेहनत की और सबकी मेहनत से पार्टी जीती। वहीं, यूपी में ऐसे तीन नेता नहीं हैं जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते हों और उसे पूरा करने के लिए कुछ कर गुजरने का माद्दा रखते हों। एक अन्य टिप्पणी पर गौर करें तो पता चला है कि पार्टी का हर सदस्य चाहता है कि गांधी परिवार के सदस्य यूपी में पार्टी के अभियान का नेतृत्व करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि आगामी लोकसभा चुनाव में वे राज्य में कितने सक्रिय होंगे।

कमलेश पांडेय

देश के सबसे बड़े राज्य में यूपी जोड़ो यात्रा को जो अपार जनसमर्थन मिल रहा है, उससे ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है कि यूपी में कांग्रेस पिछले 34 सालों से सत्ता से बाहर है। गठबंधन की राजनीति से उसकी कमर टूट चुकी है, जिसके चलते वह केंद्र में भी मजबूती से नहीं जम पा रही है। बदलते दौर में यूपी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं, जिसके सुखद परिणाम जल्द ही सामने आएंगे। कहना न होगा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव की सूबाई गठबंधन नीति से यूपी समेत हिंदी पट्टी के जमे–जमाये नेताओं ने पार्टी के कार्यक्रमों से जो किनारा करना शुरू किया, उसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के दस वर्षीय कार्यकाल को यदि छोड़ दिया जाए तो पुराना सिलसिला अब जाकर थमने के आसार प्रबल हुए हैं। वहीं, यूपी में कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को एड़ी–चोटी एक करनी होगी। वजह स्पष्ट है कि यदि कांग्रेस को प्रदेश में मजबूत बनाना है तो हमें राष्ट्रीय नीति के साथ–साथ क्षेत्रीय नीति और स्थानीय नेता विकसित करके उनमें तारतम्य बिठाने की समुचित पहल करनी होगी। वहीं, विभिन्न कार्यक्रमों के सहारे लगातार उनकी मॉनिटरिंग भी करनी होगी। खास बात यह कि हमें राजनीतिक प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने में नए–पुराने के तफरके में संतुलन बिठाना होगा। साथ ही नेतृत्वगत अधिकारों का विकेंद्रीकरण करना होगा और चरणबद्ध रूप से जिम्मेदारी तय करनी होगी, ताकि पार्टी संगठन में जान फूंकी जा सके। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूं कि गत दिनों लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा बैठक में हमारे नेता राहुल गांधी यूपी कांग्रेस के नेताओं से नाखुश दिखे। जैसी की मीडिया रिपोर्ट आई है। बताया गया है कि यूपी में पार्टी के अंदर उत्साहित नेताओं की कमी है। यूपी कांग्रेस के नेता केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे रहना चाहते हैं, जिसकी वजह से ना तो वहां पार्टी खड़ी हो पा रही है और ना ही जीत मिल रही है, जबकि तेलंगाना के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के सहयोग से पार्टी खड़ी कर ली और चुनाव भी जीत लिया। वहां चार नेता ऐसे थे जो सीएम बनना चाहते थे, इसलिए सबने मेहनत की और सबकी मेहनत से पार्टी जीती। वहीं, यूपी में ऐसे तीन नेता नहीं हैं जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते हों और उसे पूरा करने के लिए कुछ कर गुजरने का माद्दा रखते हों। एक अन्य टिप्पणी पर गौर करें तो पता चला है कि पार्टी का हर सदस्य चाहता है कि गांधी परिवार के सदस्य यूपी में पार्टी के अभियान का नेतृत्व करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि आगामी लोकसभा चुनाव में वे राज्य में कितने सक्रिय होंगे। यह ठीक है कि मुसलमान इस चुनाव में कांग्रेस की ओर देख रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों को सुनिश्चित करना होगा और उन सीटों को अपने गठबंधन में सपा से लाना होगा। जबकि कुछ लोगों ने सोचा कि वे बसपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं, जबकि बसपा के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान कई अलग–अलग मुद्दे सामने आए, लेकिन सभी की राय थी कि पार्टी को कड़ी सौदेबाजी करनी चाहिए और न केवल सम्मानजनक हिस्सेदारी बल्कि मजबूत सीटें भी हासिल करनी चाहिए। ऐसे में सीधा सवाल है कि जब प्रदेश में पार्टी अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है और अपने नए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक नई टीम बनाकर आगे बढ़ रही है। तो फिर हमें पिछले 34 साल की उपलब्धियों–अनुपलब्धियों पर भी एक सरसरी नजर डाल लेनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यूपी में अपने सबसे खराब दौर में भी पार्टी ने कई प्रयोग किए। अकेले चुनाव भी लड़ी और गठबंधन का साथ भी लिया। लेकिन कोई बड़ा कारनामा नहीं कर सकी, आखिर ऐसा क्यों? यह यक्ष प्रश्न है। बहरहाल, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने नए अध्यक्ष अजय राय के हाथ में कमान सौंपने के बाद यूपी जोड़ो यात्रा का आगाज कर चुकी है। वह अपनी नई टीम के साथ इस बात के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे हैं कि अब कांग्रेस जुल्म और ज्यादती के खिलाफ सड़कों पर दिखेगी। साल 2024 में यह चुनौती उन्हें अपने अक्रामक तेवरों के साथ पूरी करनी होगी। क्योंकि वह अपने आक्रामक अंदाज के लिए पहचाने जाते हैं। हालांकि यह सवाल अलग है कि क्या प्रदेश की नई लीडरशिप कांग्रेस के लिए कोई करिश्मा कर पाएगी? खासतौर से ऐसे समय जब देश–प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। मसलन, यूपी में कांग्रेस का खराब दौर 1989 से ही चल रहा है। यह वह सियासी दौर था जब समाजवादियों ने राष्ट्रवादियों का साथ लेकर कांग्रेस को कमजोर करना शुरू किया, जिससे पहले धर्मनिरपेक्षता की धार कुंद हुई और फिर सामाजिक न्याय की। इससे कांग्रेस को इतनी क्षति हुई कि एक बार आम चुनाव 1998 में उसे यूपी से एक भी लोकसभा सीट नहीं मिली। इस दौरान वह सिर्फ एक बार 2009 के लोकसभा चुनाव में ही अधिकतम 21 सीटें जीत सकी थी। इसी वक्त उसने एक उपचुनाव भी जीती और अपनी सीटें 22 कर ली थी। इसके बाद से फिर 2014 में वह दो सीट पर आ गई और 2019 में सिर्फ रायबरेली की एक सीट जीत सकी। आम चुनाव 1989 से यूपी में कांग्रेस का लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन कैसा रहे, उसके लिए चुनाव वर्ष के सामने जीती हुई सीटें दी गई हैंरू– 1989–17, 1991–05, 1996–04, 1998–00, 1999–10, 2004–09, 2009–21द्22 (उपचुनाव सहित), 2014–02 और 2019–01 हालांकि इस हालात को बदलने के लिए कांग्रेस ने प्रदेश की लीडरशिप में भी कई बदलाव किए। अमूमन 34 साल में 17 प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए, जो हर क्षेत्र, जाति, वर्ग और संप्रदाय के साथ ही प्रदेश के अलग–अलग इलाकों से भी लिए गए। देखा जाए तो वरिष्ठ नेताओं से लेकर जमीनी कार्यकर्ता स्तर तक के नेता को ये बड़ी जिम्मेदारी दी गई, लेकिन हालात जस के तस बने रहे, कुछ अपवादों को छोड़कर। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी तक को भी बतौर प्रभारी सूबे में उतरना पड़ा। उनके नेतृत्व में ही अब जाकर किसी चमत्कार की उम्मीद जगी है। साल 1989 से अब तक कांग्रेस अध्यक्ष, उनकी कोटि और उनका कार्यकाल इस प्रकार हैरू– बलराम सिंह यादव (ओबीसी)1988–1990, राजेंद्र कुमारी बाजपेई (सवर्ण) 1990–1991, महावीर प्रसाद (एससी)1991–1994, नारायण दत्त तिवारी (सवर्ण) 1994–1995, जितेंद्र प्रसाद (सवर्ण) 1995–1997, नारायण दत्त तिवारी (सवर्ण) 1997–1998, सलमान खुर्शीद (मुस्लिम)1998–2000, श्रीप्रकाश जायसवाल (ओबीसी) 2000–2002, अरुण कुमार सिंह मुन्ना (सवर्ण) 2002–2003, जगदम्बिका पाल (सवर्ण) 2003–2004, सलमान खुर्शीद (मुस्लिम) 2004–2007, रीता बहुगुणा जोशी (सवर्ण) 2007–2012, निर्मल खत्री (सवर्ण) 2012–2016, राज बब्बर (ओबीसी) 2016–2019, अजय कुमार लल्लू (ओबीसी) 2019–2022, बृजलाल खाबरी (एससी) 2022–2023, अजय राय (सवर्ण) (2023–वर्तमान) ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले आखिर, नई लीडरशिप के पीछे कांग्रेस की क्या मंशा है और उनकी टीम से क्या उम्मीदें हैं? क्योंकि वरिष्ठ नेताओं को भरोसा है कि लगातार 10 साल तक सत्ता में रहने के बाद देश में भाजपा के खिलाफ जो माहौल बन रहा है, उसका फायदा कांग्रेस को ही मिलेगा। क्योंकि राहुल गांधी लगातार जनता के बीच रहकर देश में माहौल बना रहे हैं। इसलिए अब जरूरत है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में सुस्त पड़ी कांग्रेस में जान फूंकी जाए। इसकी सकारात्मक शुरुआत भी यूपी जोड़ो यात्रा से हो चुकी है। कहना न होगा कि यह काम यहां आक्रामक तेवरों के साथ ही हो सकता है, जैसा कि हमने टीबी डिबेट्स में कड़ा रुख अपनाया है।

यहीं बिकते हैं सर्वाधिक फीचर फोन

भारत सचमुच विचित्रताओं का देश है। जहां पूरी दुनिया में स्मार्टफोन की मांग लगातार बढ़ रही है, वहीं भारत में फीचर फोन अब भी उन लोगों की पहली पसंद हैं, जो महंगे स्मार्टफोन नहीं खरीद सकते। सिंगापुर, ताईवान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने 2जी नेटवर्क को अलविदा कह दिया है, पर अपने यहां 2जी नेटवर्क के सहारे साधारण फीचर फोन कम कीमत, ज्यादा बैटरी लाइफ, संगीत सुनने की सुविधा व बेसिक इंटरनेट सेवा के साथ लोगों को ऑनलाइन जोड़ रहा है। फीचर फोन से तात्पर्य उन मोबाइल फोन से है, जिनका प्रयोग वॉयस कॉलिंग और टेक्स्ट मैसेज के लिए किया जाता है। इनमें बेसिक मल्टी मीडिया सुविधा भी होती है, जिससे ऑडियो–वीडियो सुविधाओं का आनंद उठाया जा सकता है। ये बहुत कम कीमत में उपलब्ध हैं। जबकि स्मार्टफोन इंटरनेट आधारित हैं, जो बात करने के अलावा, इंटरनेट की दुनिया में एप सुविधाओं के साथ असीमित विकल्प देते हैं। ये फीचर फोन के मुकाबले महंगे होते हैं और इनकी परिचालन कीमत भी महंगी होती है। वैसे भी देखा गया है कि शहरों में आजकल लोग दो फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं–बात करने के लिए साधारण फीचर फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करने के लिए स्मार्टफोन। स्टेटिस्टा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में, भारत में फीचर फोन बाजार से उत्पन्न राजस्व आश्चर्यजनक रूप से 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर होगा। यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा होगा। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के फीचर फोन बाजार में 2023 की दूसरी तिमाही में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2जी फीचर फोन शिपमेंट की वृद्धि स्थिर रही, जबकि 4जी फीचर फोन शिपमेंट में तेज वृद्धि देखी गई। 4जी फीचर फोन शिपमेंट में सालाना आधार पर 108 फीसदी की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। अपने यहां फीचर फोन की लोकप्रियता बरकरार रहने का बड़ा कारण इसका एक औसत भारतीय के लिए सस्ता होना है। इसके अलावा, यह बिजली की कम उपलब्धता में भी चलता है। दरअसल स्मार्टफोन की बैटरी जल्दी खर्च होती है, जिस कारण उसे बार–बार चार्ज करना पड़ता है। जबकि फीचर फोन की बैटरी एक बार चार्ज करने के बाद लंबे समय तक चलती है। फीचर फोन पुश बटन पर चलते हैं। इसे चलाने के लिए किसी तरह की विशेषज्ञता की जरूरत नहीं होती। अशिक्षा की वजह से इन फोन में व्याप्त इंटरनेट की बेसिक सुविधाओं का भी इस्तेमाल नहीं किया जाता। भारतीय परिस्थितियों में फोन को संभालना भी एक बड़ा काम है। लेकिन फीचर फोन चाहे गिर ही क्यों न जाए या इसके पीछे का ढक्कन ही क्यों न खुल जाए, फिर भी ये फोन चलते हैं और बेहद टिकाऊ होते हैं। एक बार फीचर फोन खरीदने के बाद इसे पांच से छह साल तक आसानी से चलाया जा सकता है। फीचर फोन को हैक किए जाने का खतरा कम होता है, और ये उपभोक्ता की निजता की रक्षा भी बेहतर ढंग से करते हैं। अपने यहां फीचर फोन की मांग ग्रामीण इलाकों में ज्यादा है, जहां मनोरंजन के साधन के रूप में सिर्फ इंटरनेट का इस्तेमाल अब भी एक महंगा विकल्प है। वहां पुराने जमाने के मोबाइल गेम्स खेलना, सीखना और सिखाना आसान है। नोकिया का स्नेक गेम भला कौन भूल सकता है! फीचर फोन में कई ऐसे गेम्स आते हैं, जिन्हें आज भी खेलना काफी मनोरंजक होता है। इसके अलावा बगैर इंटरनेट के एफएम सुनने का विकल्प उपलब्ध होना भी फीचर फोन की लोकप्रियता बरकरार रहने का एक बड़ा कारण है।

भले ही दुनिया आज पोडकास्ट की दीवानी हो रही हो, पर यह शहरी प्रवृत्ति है। जबकि भारत आज भी गांवों में बसता है, जहां मनोरंजन के लिए लोगों की निर्भरता रेडियो पर आज भी ज्यादा है। इन कारणों से भी फीचर फोन देश में अभी लंबे समय तक प्रासंगिक बने रहने वाले हैं। ये बहुत कम कीमत में उपलब्ध हैं। जबकि स्मार्टफोन इंटरनेट आधारित हैं, जो बात करने के अलावा, इंटरनेट की दुनिया में एप सुविधाओं के साथ असीमित विकल्प देते हैं।

ये फीचर फोन के मुकाबले महंगे होते हैं और इनकी परिचालन कीमत भी महंगी होती है। वैसे भी देखा गया है कि शहरों में आजकल लोग दो फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं–बात करने के लिए साधारण फीचर फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करने के लिए स्मार्टफोन। स्टेटिस्टा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में, भारत में फीचर फोन बाजार से उत्पन्न राजस्व आश्चर्यजनक रूप से 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर होगा। यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा होगा।

विशेष अभियान चलाकर आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाया जा रहा है: जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समस्त योजनाओं एवं कार्यक्रमों की भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा बिंदुवार की गई। जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत भुगतान तथा नसबंदी कार्यक्रम की कम प्रगति पर जिलाधिकारी ने रोष व्यक्त किया तथा सभी अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह माह में 5 पुरुष एवं 200 महिला नसबंदी अवश्य कराएं। इस कार्य हेतु ग्राम की आशा को लक्ष्य निर्धारित कर दें। केराकत ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले उपकेंद्र बेहड़ा, को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त होने पर वहां तैनात सीएचओ एवं एएनएम को जिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र दिया, इसके साथ ही टेली कंसल्टेशन में अच्छा कार्य करने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकरारा के अधीक्षक डॉक्टर शशिकांत पटेल तथा दो सी एचओ , सिरकोनी ब्लाक के अंतर्गत कुद्दूपुर तथा मछली शहर ब्लॉक के अंतर्गत लासा उप केंद्र को पुरस्कृत किया।

जौनपुर शहरी क्षेत्र में दिनांक 26 दिसंबर 2023 से 10 जनवरी 2024 तक विशेष अभियान चलाकर आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि दिनांक 1 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2024 तक सभी ग्राम पंचायत में कैंप लगाकर कोटेदार, आशा, आंगनबाड़ी, एवं पंचायत सहायक के माध्यम से सभी पात्र लाभार्थियों का कार्ड बनाया जाए। उन्होंने जनपद वासियों से अपील किया है कि सभी पात्र लोग अपना आयुष्मान गोल्ड कार्ड अवश्य बनवाएं तथा किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु संबंधित ग्राम के कोटेदार से संपर्क करें। जिला क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील किया कि यदि किसी को लंबे समय से बुखार आ रहा हो, वजन घट रहा हो, दो सप्ताह से अधिक समय से खांसी आ रही हो तो वह अपने नजदीकी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जाकर बलगम की जांच कराएं, यदि कोई धनात्मक टीवी रोगी पाया जाता है तो उसका संपूर्ण उपचार एवं देखभाल किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री साई तेजा सीलम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह, स्वास्थ्य विभाग के सभी जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारी तथा सहयोगी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर से शिकायत पर दरोगा ने पीड़ित को थाने में पीटा

लखनऊ। सूबे की राजधानी में एक बेअंदाज चौकी इंचार्ज ने युवक को थाने बुलाकर महज इसलिए धुनाई कर दी कि उसने अपने साथ हुई ठगी और जालसाजी की शिकायत सीधे पुलिस आयुक्त से कर दी थी। खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई अफसर खामोश रहे और मीडिया ने गम्भीर मामले को नजरअंदाज कर दिया। प्रकरण से अनेक सवाल खड़े हो गए हैं। आला अफसर से शिकायत अपराध हो चली है या कमिश्नरेट सिस्टम में खींचतान है। मड़ियांव थाने में चौकी इंचार्ज व सिपाही–होमगार्ड द्वारा गुरुवार सुबह पीटा गया युवक नौबस्ता पुलिया निवासी मुशीर अहमद था। मुशीर का कहना है कि करीब तीन साल पहले इलाके में ही एक इंटर कॉलेज के संचालक ने उसे सचिवालय में वाहन चालक की नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। पांच लाख रुपये में बात तय हुई। मुशीर ने एक लाख रुपये एडवांस दे दिए। वक्त गुजरने के साथ स्कूल संचालक टालमटोल करने लगा। कुछ दिनों पहले मुशीर ने इलाके के लोगों की मदद से दबाव बनाया तो स्कूल संचालक ने उसे हाईस्कूल की एक मार्कशीट थमा दी। सिर्फ अपना नाम लिख पाने वाला मुशीर अपने नाम की मार्कशीट देख कर चौंका। उसने अपने रिश्तेदारों को बताया कि फार्म भरा न परीक्षा दी और हाईस्कूल पास हो गया। इसके साथ उसे जालसाजी का अहसास हुआ। उसने बुधवार को पुलिस आयुक्त एसबी शिरडकर को अर्जी देकर कॉलेज संचालक द्वारा नौकरी के नाम पर ठगी और जाली मार्कशीट थमाने की शिकायत की। प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त ने पुलिस उपायुक्त उत्तरी को कार्रवाई के आदेश दिए। मुशीर का कहना है कि बुधवार शाम मड़ियांव की रामलीला चौकी इंचार्ज ने फोन करके बुलाया। कहा कि मैं इलाके में मौजूद हूँ तो पुलिस आयुक्त से शिकायत क्यों की। मैंने कॉलेज संचालक से पूछताछ की है। तुम्हारी मार्कशीट जाली नहीं असली है। मुशीर ने उन्हें बताया कि उसने न फार्म भरा और न परीक्षा दी। चौकी इंचार्ज ने उसे बाद में बुलाने की बात कहकर चलता कर दिया। बकौल मुशीर अहमद गुरुवार सुबह चौकी इंचार्ज ने उसे ताबड़तोड़ कई कॉल की और जल्दी से मड़ियांव थाने पहुंचने का आदेश दिया। वह आननफानन में थाने पहुंचा। वहां चौकी इंचार्ज आगबबूला थे। उन्होंने गालीगलौज के साथ पिटाई शुरू कर दी। फिर सिपाही और होमगार्ड्स से पिटवाकर थाने में बैठा दिया। आधा घंटा बाद इंस्पेक्टर के समक्ष पेश किया। डरे सहमे मुशीर ने उन्हें प्रकरण की जानकारी दी। इंस्पेक्टर ने दरोगा को डांटने के साथ मुशीर को कार्रवाई का आश्वासन देकर थाने से चलता कर दिया। थाने के बाहर खड़े रिश्तेदार ने माजरा पूछा तो वह फफक कर रो पड़ा। बताया कि कोई अपराध नहीं किया, बल्कि पुलिस आयुक्त से अपराध की शिकायत करने पर दरोगा ने पीटा और सिपाहियों से पिटवाया है। अपमानित मुशीर ने मीडिया को बाइट दी और मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र लिखा है। सवाल है कि कमिश्नरेट सिस्टम में उच्चाधिकारियों से शिकायत करना अपराध हो गया है, यदि नहीं तो प्रकरण में आलाअफसर चुप्पी क्यों साध गए।शिकायतकर्ता की थाने में पिटाई की खबर मीडिया ने क्यों दबा ली। पीड़ित व्यक्ति को किससे शिकायत करनी चाहिए। मुशीर का कहना है कि दरोगा द्वारा उसकी मार्कशीट को असली बताकर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया।

रामलला को दर्पण में उनकी दिव्य झलक दिखाएंगे मोदी, सुबह 11 बजे मंदिर में करेंगे प्रवेश

लखनऊ (संवाददाता) । रामलला की अचल मूर्ति बनकर तैयार है। प्राण प्रतिष्ठा के समय 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की आंखों से जिस समय पट्टी हटाई जाएगी, उस वक्त गर्भगृह में प्रधानमंत्री मोदी मौजूद रहेंगे। मोदी रामलला को पहली बार दर्पण में उनकी दिव्य झलक दिखाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा के समय गर्भगृह का पर्दा बंद रहता है। पट्टी हटाने के बाद मूर्ति को दर्पण दिखाने का विधान है, जिससे कि सबसे पहले खुद भगवान अपना चेहरा देख सकें। इस विधान का निर्वहन पीएम मोदी करेंगे। रामलला की पहली आरती भी पीएम उतारेंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए राम जन्मभूमि परिसर को सजाने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को शुभ मुहूर्त में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। पीएम सुबह 11 बजे तक राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश करेंगे और तीन घंटे तक परिसर में रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पीएम के साथ पांच अन्य अतिथि मौजूद रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान के लिए राम मंदिर के ठीक सामने पूर्व दिशा में भव्य यज्ञ मंडप बनकर तैयार हो चुका है। कार्यक्रम के दौरान गर्भगृह में प्रधानमंत्री के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राम मंदिर के मुख्य आचार्य सत्येंद्र दास मौजूद रहेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि हमारा प्रयास है कि पीएम नरेंद्र मोदी सुबह 11 बजे तक राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश कर जाएं। पीएम मोदी परिसर में प्रवेश करने के बाद सबसे पहले जटायु मंदिर जाएंगे, जटायु को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद वे प्राण प्रतिष्ठा स्थल पहुंचेंगे। अनुष्ठान के बाद पीएम देशभर से आए संत–धर्माचार्यों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद उनका संबोधन होगा। संबोधन के बाद कार्यक्रम स्थल पर मौजूद अतिथियों को रामलला के दर्शन कराए जाएंगे।

यूपी सिपाही भर्ती : सिर्फ 24 घंटे में 2 लाख अभ्यर्थियों ने किया रजिस्ट्रेशन

लखनऊ (संवाददाता) । आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के ऑनलाइन आवेदन का लिंक जारी होने बाद पहले 24 घंटे में 2,00,261 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। वहीं 1,17,076 अभ्यर्थियों के दस्तावेज अपलोड और शुल्क जमा करके आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली है। आवेदन का लिंक बुधवार रात करीब 10 बजे जारी हुआ था। जिसके बाद बृहस्पतिवार को रात 10 बजे तक दो लाख से अधिक अभ्यर्थी आवेदन कर चुके थे। बता दें कि 2018 में हुई आरक्षी भर्ती में 23 लाख आवेदन आए थे। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने लेखा, लिपिक और गोपनीय संवर्ग के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) और उपनिरीक्षक (एसआई) के 921 पदों पर सीधी भर्ती आवेदन मांगे हैं। अभ्यर्थी इसके लिए 7 से 28 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष डीजी रेणुका मिश्रा ने बताया कि एसआई (गोपनीय) के 268, एएसआई (लिपिक) के 449 और एएसआई (लेखा) के 204 पदों के लिए पुरुषों एवं महिलाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गये हैं।

कोहरे में नहर में गिरी बोलेरो, युवक की मौत

लखनऊ (संवाददाता) । निगोहां इलाके में देर रात घने कोहरे के चलते बोलेरो गाड़ी पुलिया से टकराकर नहर में जा गिरी। हादसे में चालक की मौत हो गई, जबकि बोलेरो में सवार चालक के दो साथी मौके से भाग गए। तीनों दोस्त बाराबंकी से मेला देखने जा रहे थे।

बाराबंकी के लोनीकटरा के छंदौली गांव निवासी रघुराज वर्मा के मुताबिक उनके पुत्र सुशील कुमार (27) बोलेरो गाड़ी चलाते थे। बुधवार रात नौ बजे वह हुसैनाबाद मेला देखने की बात कहकर बोलेरो लेकर घर से निकले थे। निगोहां में पतौना मोड़ के पास घने कोहरे में बोलेरो पुलिया से टकराकर नहर में जा गिरी। हादसे में चालक सुशील बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह सुशील को निकालकर मोहनलालगंज सीएचसी भेजा।

मंत्री ने पूछा- रोज मिल रहा पानी

सीतापुर (संवाददाता)। जल जीवन मिशन के तहत आपके घर नल लगाया गया है...क्या रोज पानी आता है। प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह के इस सवाल पर परसेंडी ब्लॉक के शाह आलमपुर निवासी अंजनी थोड़ा सहम गये। फिर सकुचा कर बोले– हुजूर दो दिन बाद पानी आया...। मामला बिगड़ता देख जल जीवन मिशन के अधिकारियों ने मंत्री को समझाने की कोशिश की। इस पर मंत्री ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि मुझे कहानी न बताओ। चोक टोंटी को दुरूस्त करो और नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करो, वरना कार्रवाई कर दूंगा। इसके बाद उन्होंने इसी ग्राम पंचायत निवासी रामचन्द्र, रिंकी, सुषमा और जानकी के घर पहुंचकर योजना का फीडबैक लिया।

एसकेडी अकादमी ने बच्चों के लिए जनेश्वर मिश्रा पार्क में पिकनिक का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एसकेडी अकादमी की वृंदावन, राजाजीपुरम और गोमती नगर ब्रांच के सभी बच्चों के लिए जनेश्वर मिश्रा पार्क में पिकनिक का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 6 से लेकर 11 तक के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। एसकेडी समूह के निदेशक मनीष सिंह ने बताया कि नव वर्ष से पूर्व सभी में नई ऊर्जा के संचार के उद्देश्य से इस पिकनिक का आयोजन किया गया जिसमें एसकेडी समूह के लगभग 2000 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया । इस दौरान बच्चों ने ऑब्सटेकल रेस, खो खो और कबड्डी जैसे खेल खेले और पार्क की सैर की। MIG 21 विमान को देखकर बच्चों में जबरदस्त उत्साह था । मनीष सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह की पिकनिक का आयोजन दरअसल स्कूल से बाहर एक पाठशाला है जिसमें बच्चा मनोरंजन के साथ प्राकृतिक वातावरण में रहते हुए सामाजिकता और टीम भावना के गुण सीखता है। इस अवसर पर एसकेडी समूह की उपनिदेशक निशा सिंह, सह निदेशक डी के सिंह, प्रधानाचार्या अंजू सिंह, डॉ. शैली श्रीवास्तव और डॉक्टर कविता श्रीवास्तव उपस्थित थी ।

राम मंदिर में आरती के लिए बुकिंग शुरू, पहचान पत्र अनिवार्य

सुरक्षा कारणों से आरती के लिए सीमित संख्या में पास जारी करने का फैसला किया गया

लखनऊ (संवाददाता) । रामलला के अभिषेक समारोह 22 जनवरी से पहले राम जन्मभूमि मंदिर में आरती पास प्राप्त करने के लिए बुकिंग शुरू हो गई। दिन में तीन बार (सुबह 6:30 बजे, दोपहर 12:00 बजे और शाम 7:30 बजे) भगवान राम की आरती की जाएगी।

आरती पास के लिए खंड प्रबंधक ध्रुवेश मिश्र ने बताया कि सुबह के समय शृंगार आरती, दोपहर में भोग आरती और शाम के समय संध्या आरती होगी। हर आरती में अधिकतम 30 लोगों के शामिल होने की अनुमति होगी, जिसके लिए पास जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों से आरती के लिए सीमित संख्या में पास जारी करने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में यह संख्या बढ़ाई जा सकती है। मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन पास जारी करने का काम पहले ही शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर के पोर्टल से भक्त अपने पास ऑनलाइन बना सकते हैं, लेकिन उन्हें अयोध्या के काउंटर से प्राप्त करना होगा। पास के लिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट इन चार में से कोई एक दस्तावेज देना होगा। जिस दस्तावेज पर पास बनेगा, उसे अपने पास रखना होगा। पास के लिए शुल्क के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सुविधा सभी के लिए समान है चाहे वह अमीर हो, गरीब हो, बड़ा हो या बुजुर्ग हो। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 16 से 22 जनवरी तक होगी। सात दिनों तक वृहद अनुष्ठान के बीच रामलला नए मंदिर में विराजेंगे। 22 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्राण प्रतिष्ठा से पहले सरयू जल से रामलला का अभिषेक भी किया जाएगा। रामलला रामनगरी की पंचकोसी परिक्रमा करेंगे, अयोध्या के मंदिरों में दर्शन–पूजन करेंगे। 16 जनवरी– मंदिर ट्रस्ट की ओर से नियुक्त यजमान की ओर से प्रायश्चित, सरयू नदी के तट पर दशविध स्नान, विष्णु पूजन और गोदान।

17 जनवरी– रामलला की मूर्ति के साथ अयोध्या भ्रमण करेगी शोभायात्रा, मंगल कलश में सरयू का जल लेकर मंदिर पहुंचेंगे श्रद्धालु। 18 जनवरी– गणेश अंबिका पूजन, वरुण पूजन, मातृका पूजन, ब्राह्मण वरण व वास्तु पूजन से विधिवत अनुष्ठान आरंभ होगा। 19 जनवरी– अग्नि स्थापना, नवग्रह स्थापना और हवन। 20 जनवरी– मंदिर के गर्भगृह को सरयू के पवित्र जल से धोने के बाद वास्तु शांति और अन्नाधिवास होगा। 21 जनवरी– 125 कलशों से दिव्य स्नान के बाद शैयाधिवास कराया जाएगा। 22 जनवरी– सुबह पूजन के बाद दोपहर के मृगशिरा नक्षत्र में रामलला के विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा होगी।

प्रशांत कुमार बने डीजी, 73 आईपीएस को मिली प्रोन्नति, 34 आईपीएस बने डीआईजी

लखनऊ (संवाददाता) । राज्य सरकार ने वर्ष 1990 बैच के आईपीएस एवं विशेष पुलिस महानिदेशक कानून–व्यवस्था प्रशांत कुमार को पुलिस महानिदेशक (डीजी) के पद पर प्रोन्नत करने का आदेश जारी कर दिया है। उनके साथ 72 अन्य आईपीएस अधिकारियों को भी प्रोन्नत किया गया है।

एक जनवरी को प्रोन्नत होने वाले इन अधिकारियों की तैनाती का आदेश अलग से जारी होगा। तीन दिन पहले आईपीएस अधिकारियों की विभागीय प्रोन्नत समिति की बैठक में इस पर मुहर लगायी गयी थी। राज्यपाल की अनुमति के बाद प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने पदोन्नति का आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक गृह सचिव वर्ष 1999 बैच के डॉ. संजीव कुमार गुप्ता और प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा को आईजी से एडीजी के पद पर प्रोन्नत किया गया है। वहीं वर्ष 2006 बैच के पांच आईपीएस आकाश कुलहरि, धर्मेंद्र सिंह, एलआर कुमार, अब्दुल हमीद और शलभ माथुर को डीआईजी से आईजी बनाया गया है। इसके अलावा 34 आईपीएस को एसपी से डीआईजी के पद पर प्रोन्नत किया गया है। इनमें वर्ष 2009 बैच के रोहन पी. कनय, 2010 बैच के वैभव कृष्ण, कलानिधि नैथानी, प्रभाकर चौधरी, संजीव त्यागी, पूनम, कुंतल किशोर, हरीश चन्दर, सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज, राठौर किरीट कुमार हरिभाई, शिव हरि मीना, शैलेश कुमार यादव, राहुल राज, शफीक अहमद, राधे श्याम, कल्पना सक्सेना, सुरेश्वर, रामजी सिंह यादव, संजय सिंह, राम किशुन, राजकमल यादव, राकेश पुष्कर, मनोज कुमार सोनकर, कुलदीप नरायन, मनिराम सिंह, किरन यादव, प्रमोद कुमार तिवारी, शहाब रशीद खां, एस. आनंद, राजीव नारायन मिश्रा, सुनील कुमार सिंह के साथ अशोक कुमार चतुर्थ, प्रदीप गुप्ता और डॉ. ओमप्रकाश सिंह शामिल हैं। वर्ष 2009 बैच के रोहन पी. कनय, 2010 बैच के सुनील कुमार सिंह, 2011 बैच के शैलेश कुमार पांडेय, अजय कुमार, अभिषेक सिंह, देवरंजन वर्मा, राजेश एस., हेमंत कुटियाल, शालिनी, स्वप्निल ममगाई, डी. प्रदीप कुमार, अरुण कुमार श्रीवास्तव, सूर्यकांत त्रिपाठी, बिकास कुमार वैद्य, राजेश कुमार सक्सेना, डॉ. अरविंद चतुर्वेदी, सुनीता सिंह, राजेश कुमार सिंह, राकेश कुमार पांडेय, सुधा सिंह, मो. नेजाम हसन, दिनेश सिंह, राम यज्ञ, तेज स्वरूप सिंह, सुभाष चंद्र शाक्य के साथ आलोक प्रियदर्शी, अष्टभुजा प्रसाद सिंह, कमला प्रसाद यादव, राम बदन सिंह, रूचिता चौधरी, रमाकांत प्रसाद, ह्यदेश कुमार और अवधेश कुमार विजेता शामिल हैं। उनके साथ 72 अन्य आईपीएस अधिकारियों को भी प्रोन्नत किया गया है।

1300 सीटों पर प्रवेश की मेरिट सूची जारी

लखनऊ (संवाददाता) । बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के यूजी व पीजी कोर्स में रिक्त 1300 सीटों पर होने वाले दाखिले की मेरिट सूची जारी कर दी गई है। विवि ने पिछले महीने यूजी व पीजी कोर्स के रिक्त सीटों पर अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे थे। कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार ने बताया कि विभिन्न कोर्स के लिए सीयूईटी के जरिये प्रवेश परीक्षा कराई गई थी। चयन सूची के आधार पर अभ्यर्थियों के दाखिले हुए थे। दाखिले के बाद भी कुछ सीटें रिक्त रह गई थीं। उन सीटों पर पुनरू दाखिले के लिए आवेदन मांगे गए थे। उन्होंने बताया कि सीयूईटी व गैर सीयूईटी के जरिये हुए नए पंजीकरण की मेरिट सूची विवि की वेबसाइट पर अपडेट की गई है। विवि ने पिछले महीने यूजी व पीजी कोर्स के रिक्त सीटों पर अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे थे। कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार ने बताया कि विभिन्न कोर्स के लिए सीयूईटी के जरिये प्रवेश परीक्षा कराई गई थी।

एएसआई के 921 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू, सात जनवरी से 28 जनवरी तक मांगे आवेदन

लखनऊ (संवाददाता) । उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने लेखा, लिपिक और गोपनीय संवर्ग के सहायक उप निरीक्षक और उपनिरीक्षक के 921 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। बोर्ड ने इच्छुक अभ्यर्थियों से 7 जनवरी से 28 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष डीजी रेणुका मिश्रा ने बताया कि पुलिस उप निरीक्षक (गोपनीय) के 268, सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) के 449 और सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के 204 पदों पर पुरुषों एवं महिलाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। आवेदन शुल्क 400 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके लिए अभ्यर्थी को एक जुलाई 2023 को 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो और 28 वर्ष से अधिक आयु पूर्ण न की हो। अर्थात अभ्यर्थी का जन्म एक जुलाई 1995 से पूर्व तथा एक जुलाई 2002 के बाद न हुआ हो। आवेदन पत्रों के परीक्षण के बाद 400 अंकों की ऑनलाइन लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कुल 200 प्रश्न होंगे। परीक्षा में सामान्य ज्ञानध्कंप्यूटर ज्ञान, सामान्य जानकारीध् सामयिक विषय, संख्यात्मक एवं मानसिक योग्यता परीक्षा तथा मानसिक अभिरुचि परीक्षाध्बुद्धिलब्धि परीक्षाध्तार्किक परीक्षा संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

घोटाले में 20 प्रधानों से जवाब तलब

सीतापुर (संवाददाता)। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत बीते तीन साल में 20 ग्राम पंचायतों में शौचालय बनवाने के लिए भेजे गए 69 लाख 74 हजार रुपये का जिम्मेदारों ने गबन कर लिया। इसका खुलासा सेवता विधायक की शिकायत पर हुई जांच में हुआ। अब इस घोटाले से संबंधित प्रधानों से डीएम ने जवाब तलब किया है। तय समय में जवाब न देने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। प्रकरण में अब तक चार सचिव बर्खास्त किए जा चुके हैं। घोटाले के आरोपियों के विरुद्ध रामपुर मथुरा थाने में मुकदमा भी दर्ज है।

हाईवे किनारे मिली युवती की हुई थी हत्या

सीतापुर (संवाददाता)। खैराबाद थाना क्षेत्र में हाईवे पर बिनौरा गांव के पास संदिग्ध हालात में एक युवती का शव पड़ा मिला था। इस मामले में डॉक्टरों के एक पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य उजागर हुए हैं। युवती की मौत का कारण हैंगिंग पाया गया है। जबकि युवती का शव जमीन पर पड़ा मिला था। उसकी नाक से खून बह रहा था। ऐसे में पुलिस को किसी करीबी पर युवती की हत्या का शक है।

कोहरा-गलन से कांपा प्रदेश, 29 जिलों में कोल्ड अलर्ट, कई विमान प्रभावित

लखनऊ (संवाददाता) । प्रदेश में शुक्रवार की सुबह भी कोहरे की चादर पड़ी रही। कोहरे के साथ गलन का एहसास हुआ। कोहरे और धुंध का सीधा असर विमान और ट्रेनों पर पड़ा। शुक्रवार को यूपी पहुंचने वाली ट्रेनों घंटों लेट चल रही है। कोहरे की वजह से आज शताब्दी और तेजस कैंसिल कर दी गई हैं। इसके पहले घने कोहरे के चलते बृहस्पतिवार को लखनऊ आने व यहां से जाने वाली 17 फ्लाइटें निरस्त कर दी गईं। ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हुआ। तेजस एक्सप्रेस निरस्त कर दी गई।

प्रवीण शंकर श्रीवास्तव बनाए गए अभाकाम के जिला महामंत्री

सिटी रिपोर्टर/दैनिक देश की उपासना

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव के आवास पर एक बैठक आहूत की गई जिसमें प्रवीण शंकर श्रीवास्तव को अखिल भारतीय कायस्थ सभा का जिला महासचिव नियुक्त किया गया तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंजीनियर अमित श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष भानु श्रीवास्तव अनूप श्रीवास्तव विनोद श्रीवास्तव एडवोकेट मनीष श्रीवास्तव एडवोकेट अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट दीपक श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष सौरभ श्रीवास्तव जिला सचिव आलोक श्रीवास्तव संतोष अस्थाना राजीव श्रीवास्तव ओलांदगंज नखास बबलू श्रीवास्तव रसैना संजय श्रीवास्तव व संयुक्त सचिव राजेश श्रीवास्तव संगठन मंत्री सौरभ चित्रांश वर्मा को नियुक्त किया गया व प्रदीप शंकर की व अन्य नियुक्ति की खबर सुनकर समस्त कायस्थ समाज ने हर्ष व्यक्त किया तथा प्रदीप शंकर के आवास पर जाकर उन्हें बधाई दिया बैठक में राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव, ,प्रदेश सचिव मनीष श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव श्रीकांत प्रदेश सचिव राकेश श्रीवास्तव हाई कोर्ट एडवोकेट ,अनुराग श्रीवास्तव ,सौरभ श्रीवास्तव, सिम्पू श्रीवास्तव ,मनीष श्रीवास्तव एडवोकेट ,अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट ,महिला शाखा की जिला अध्यक्ष पूनम श्रीवास्तव, भानु श्रीवास्तव ,मुकेश श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव पंकज श्रीवास्तव हैप्पी शरद चंद्र श्रीवास्तव ,आदि चित्रांश बंधु उपस्थित रहे।

रजत जयंती समापन समारोह

सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने पूर्वछात्र सम्मेलन और अंकित तिवारी कॉन्सर्ट के साथ रजत जयंती मनाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के सिल्वर जुबली सेलिब्रेशन के मेगा ग्रैंड फिनाले में 29 दिसंबर 2023 को 300 से अधिक पूर्व छात्र उपस्थित थे और इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत में कॉलेज के पूर्व–स्नातकों के लिए विशेष कार्यक्रम के दौरान मास्टर ऑफ सेरेमनी द्वारा प्रबंधन संकाय और पूर्व छात्रो का स्वागत किया गया। फिर विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों द्वारा छात्रों द्वारा गाए गए सरस्वती वंदना के साथ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

इस कार्यक्रमों को प्रिंसिपल डॉ .के .एन. दुबे ने संबोधित किया जिन्होंने विशेष रूप से पूर्व छात्रो और उनके परिवारों का स्वागत किया और संस्थान की शानदार 25 साल की यात्रा इसकी उपलब्धियों और दंत चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य देखभाल आउटरीच और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताया। उन्होंने पूर्व छात्रों के लिए अल्मा–मेटर के साथ जुड़े रहने के महत्व पर जोर दिया और बताया कि संस्थान अपने स्नातकों का समर्थन कैसे कर रहा है। इसके बाद सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल की 25 गौरव शाली वर्षों की शानदार और सफल यात्रा को प्रदर्शित करने वाली सिल्वर जुबली कॉफी टेबल बुक का विमोचन चेयरपर्सन श्रीमती मधु माथुर अध्यक्ष डॉ. रजत माथुर और अन्य निदेशक वित्त श्री चरित माथुर निदेशक सरस्वती हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर तथा बीएसएम नर्सिंग कॉलेज श्रीमती स्मिता माथुर तथा निदेशक मानव संसाधन विकास श्रीमती रितू माथुर की उपस्थिति मे किया गया।

शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को चेयरपर्सन श्रीमती मधु माथुर द्वारा सरस्वती रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिनके नाम हैं डा0 शीतल (बीडीएस बैच 2013–14) डा0 ख्याति तोमर (बीडीएस बैच 2014–15) डा0 तृप्ति राठौड़ (बीडीएस बैच 2014–15) डा0 सिद्धि शुक्ला (बीडीएस बैच 2015–16) डा0 पूनम शुक्ला (बीडीएस बैच 2016–17) डा0 विदुषी पाठक (बीडीएस बैच 2017–18) डा0 सक्षम कोहली (बीडीएस बैच 2018–19)

इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न नृत्य गीतों और प्रतिभा प्रदर्शन का सभी ने भारी उत्साह के बीच आनंद लिया। कार्यक्रम का समापन अध्यक्ष डॉ. रजत माथुर के प्रेरक और हृदय स्पर्शी भाषण एवम् पूर्व छात्रों के साथ एक सामूहिक तस्वीर और दोपहर के भोजन के साथ हुआ। इस अवसर पर शाम को बॉलीवुड के जाने–माने प्रसिद्ध सिंगर श्री अंकित तिवारी के संगीत समारोह से धूम मची रही। उनकी मनमोहक आवाज और आकर्षक गानों ने भीड़ को उन्मादी और नाचने के लिए उत्सुक कर दिया। उनकी सुरीली आवाज ने सभी के लिए जीवन भर याद रखने वाली एक अद्भुत रजत जयंती को यादगार बना दिया। भव्य संगीत कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी के गणमान्य अतिथि और लखनऊ के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के प्रिंसिपल उपस्थित रहे। समारोह में राजधानी के जाने–माने गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति से कार्यक्रम में काफी उत्साह रहा।

नही सुनाई दे रहा है विदेशी मेहमानों का कलरव ,साइबेरियन पक्षियों की आवक घटी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कड़ाके की ठंड पड़ने के बावजूद विदेशी मेहमान पक्षियों की आवक से गुंजायमान रहने वाला क्षेत्र खेतासराय का खुदौली स्थित गूजर ताल अभी तक सूना पड़ा हुआ है । खेतासराय नगर से तीन किलोमीटर दूर खुदौली गावं में स्थित गूजर ताल मे 989 बीघा का जल क्षेत्र मत्स्य पालन हेतु तथा 10 बीघा में मत्स्य हैचरी है । वर्ष 2005 में मत्स्य हैचरी को घाटे में दिखा कर प्रदेश सरकार ने यहाँ मत्स्य उत्पादन बन्द कर दिया गया था ।

गूजर ताल को वर्ष 19 57 में मत्स्य प्रक्षेत्र घोषित किया गया था । लम्बा जल क्षेत्र तथा आबादी से दूर होने के कारण इस ताल में पूर्व के वर्षों मे ठंड के मौसम मे साइबेरियन पक्षियों की आवक होती थी ।पूरा ताल का जल प्रक्षेत्र फ्रांस ,रूस ,साइबेरिया, टर्की आदि ठंडे देशों से आने वाले कैमर , लहक्षन ,टिकई, चौता, पोछार ,साइबेरियन बगुला आदि विभिन्न प्रजाति के पक्षियों से गुलजार रहता था । विदेशी पक्षी नवम्बर से फरवरी तीन माह तक ठण्ड के मौसम में प्रवास करने के बाद मार्च के महीने अपने देश लौट जाते थे,परन्तु शिकारियों की कुदृष्टि के चलते मेहमान परिंदों ने अपना रास्ता बदल दिया है। प्रशासनिक लापरवाही के चलते गूजर ताल से सटे नौली , गोधना म्हरौड़ा ,रानीमऊ, मैनुद्दीनपुर के शिकारियों ने हर साल मेहमान परिंदों का शिकार करना शुरू कर दिया ।कभी ताल फनिया लगा कर तो कभी जहरीली

दवा से बेहोश करके शिकारी अपना शिकार करते रहे ।पक्षियों के मांस के शौकीन उन्हें मंहगे दाम पर खरीदते है । विदेशी परिंदों के हो रहे अंधाधुंध शिकार के चलते ताल में विदेशी मेहमानों की आवक लगातार घटती जा रही है ।दिसम्बर का महीना खत्म हो गया कड़ाके की ठंड पड़ना भी शुरू हो गई है लेकिन मेहमान परिंदे गूजर ताल से रूठ चुके है । इक्का दुक्का के अलावा मेहमान परिंदे ताल मे अब नहीं दिखते हैं ।इस मामले में

वन रेंज अधिकारी शाहगंज राकेश कटियार का कहना है कि गुजरताल मे शिकारियों पर नियंत्रण के लिए छापेमारी की जा रही है। निगरानी के लिए वन कर्मियों की टीम गठित कर दी गईं है ।यदि कोई भी शिकारी देशी या विदेशी पक्षी का शिकार करता पाया गया तो कानूनी कारवाई की जाएगी। पिछले वर्ष भी इस ताल मे बहुत कम विदेशी पक्षी आए थे । मैं इस क्षेत्र मे नया पोस्ट हूं इसका क्या कारण है यह स्पष्ट नहीं बता सकता।

अयोध्या के विकास से ही देश के विकास को मिलेगी गति - मोदी

आखिर कार पांच सौ वर्ष बाद भव्य व दिव्य मंदिर में विराजमान होंगे राम लला - मोदी

22 व 23 जनवरी के बाद राम नगरी आये श्रद्धालु - मोदी

पीएम मोदी ने महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट व अयोध्या धाम जंक्शन का किया लोकार्पण

पीएम ने वंदे भारत व अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रिपोर्ट – राजेश श्रीवास्तव/डॉ अजय तिवारी

अयोध्या ।22 जनवरी वर्ष 2024 का दुनिया का वह ऐतिहासिक पल होगा जब पांच सौ वर्षों से तंबू में रह रहे प्रभु श्री राम भव्य व दिव्य मंदिर में विराजमान होंगे ।इसी तरह कच्चे मकानों में रहने वाले गरीब तबके के 4 करोड़ लोगों को रहने के लिए पक्के मकान मुहैया कराया गया ।यह बातें शनिवार को पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मुताबिक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट व अयोध्या धाम जंक्शन का लोकार्पणधशिलान्यास के साथ साथ वंदे भारत व अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुये विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए लाखो की संख्या में जनसमुदाय से कहा ।विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 30 दिसंबर वर्ष 2023 का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है जब यहां से अब लोगो को हवाई यात्रा के लिए दूसरे जिलों को नहीं जाना होगा। इस मौके पर उन्होंने अयोध्या वासियों को पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की लागत से योजनाओं से लाभान्वित करते हुये कहा कि इससे राम नगरी का चहुंमुखी विकास होगा। अयोध्या के विकास से ही विकसित भारत के विकास के अभियान में गति मिलेगी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अयोध्या की विरासत में भव्यता मिलेगी। अयोध्या की पुरानी व खोई हुई पहचान को फिर से वापस लाना है ।इस ठंड के बावजूद जनसभा में आई भारी संख्या में भीड़ को देखते हुए खुशी से अभिभूत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि साझा ताकत देश को सबसे ले जाने का कार्य करेगी। उन्होंने अयोध्या को महत्व बताते हुए कहा कि अयोध्या से ही पूरे प्रदेश को विकास मिलेगी। जिसके चलते सरकार अयोध्या को स्मार्ट शहर के बनाना चाहती है ।उन्होंने बताया कि विरासत से ही हमें प्रेरणा मिलती है ।उन्होंने बताया कि राम नगरी की पहचान विश्व में है। जहां पर 22 जनवरी 2024 के प्राण प्रतिष्ठा के बाद रेल यात्रियों व हवाई जहाज से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा होगा ।अगर देखा जाए तो महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या व अयोध्या धाम रेलवे जंक्शन में पर्याप्त संख्या में यात्री आ जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या का चहुंमुखी विकास हो रहा है ।जिसमें धर्म पथ, भक्ति पथ,राम जन्मभूमि पथ व राम पथ का विकास शामिल हैं ।इससे राम भक्तों को आने जाने में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि सरयू नदी में गिरने वाले गंदे पानी को स्वच्छ करने के लिये अभियान चलाया जाएगा ।रोजगार को लेकर उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार सभी युवाओं को रोजगार देने के लिए तत्पर है। वही राम नगरी में सभी कुंडो मंदिरों, लता मंगेशकर चौराहे पर, शहर के विकास करने में केन्द्र सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है ।इससे रोजगार के अवसर व लोगों की आय बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि वंदे भारत ट्रेन,नमो भारत ट्रेन के बाद अब अमृत भारत ट्रेन के त्रिशक्ति से देश का विकास होगा। अमृत भारत ट्रेन से गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों को खासकर लाभ मिलेगा। एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों से अपील किया कि सभी लोग 22 जनवरी 2024 को अपने अपने घरों में श्री राम जी की ज्योति जलाकर शाम को दीपक जलाकर खुशियां मनाये। उन्होंने राम भक्तों से अपील किया कि आप सभी राम नगरी में अगर हो सके तो 23 जनवरी के बाद ही आये। उन्होंने अयोध्या वासियों से अपील किया कि आप सभी अयोध्या शहर को स्वच्छ रखें। और देश का सबसे अच्छे स्वच्छ शहरों में अयोध्या की गिनती हो। उन्होंने कहा कि देश में चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल उज्जवला योजना का लाभ सभी को मिल रहा है। इस मौके पर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ साथ रेल मंत्री के साथ साथ अन्य केन्द्रीय मंत्रियों के अलावा राज्य मंत्री व अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

सरकार गांव के गरीब, किसान, युवक तथा महिलाओं के उत्थान के प्रति कटिबद्व :–मा0 मंत्री

महिलाओं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लखपती दीदी बनाया जा रहा है:-रजनी तिवारी

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) आज श्रीशचन्द्र बारात घर में ग्राम चौपाल ''गांव की समस्या, गांव में समाधान'' के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में मा0 उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्जवलित कर किया तथा विभिन्न महिला समूह एवं विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए मा0 मंत्री ने कहा कि भारत एवं प्रदेश सरकार गांव के गरीब, किसान, युवक तथा महिलाओं के उत्थान के प्रति कटिबद्व है और समाज में अन्तिम पायदान के व्यक्ति तक सभी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होने कहा कि सरकार खासकर महिलाओं के प्रति काफी गम्भीर है और उन्हें स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लखपती दीदी बनाया जा रहा है। उन्होने कहा कि महिलाये अपने बेटों के साथ बेटियों को भी अच्छी परवरिस व पढ़ा–लिखाकर काबिल बनायें। कार्यक्रम में मा0 सासंद जय प्रकाश रावत, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती तथा भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने भी सरकार की उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताया। कार्यक्रम में मा0 मंत्री ने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ उज्जवला गैस कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान योजना के लाभार्थियों आदि को लाभान्वित किया तथा जनपद के ब्लाक अहिरोरी में अच्छा कार्य करने वाले मा0 ब्लाक प्रमुख धर्मवीर सिंह पन्ने तथा सहकारिता विभाग में अच्छा कार्य करने वाले एडीओ पंचायत आदि को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने सभी जन प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया तथा ग्राम चौपाल के माध्यम से एक वर्ष में गांवों में कराये कार्यो एवं समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी, पीडी, डीडी कृषि, डीसी मनरेगा, जिला सूचना अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी तथा भारी संख्या में महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

पीएम कार्यक्रम को लेकर छावनी में तब्दील रही राम नगरी

कही कही सुरक्षा कर्मियों व राहगीरों में दिखी झड़प

अयोध्या ।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या आगमन को लेकर शुक्रवार की मध्य रात्रि से ही हाइवे व कार्यक्रम स्थल को जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य मार्गों के साथ साथ गली से हाइवे आने वाले मार्गों पर बैरियर लगा हुआ था ।जहां पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती शुक्रवार की मध्य रात्रि से ही हो गई थी। जिसके चलते उधर से आने जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। यहां तक कि महानगर के देवकाली तिराहा,साई दाता की कुटिया,नाका बाईपास सहित अन्य मार्गों पर तैनात सुरक्षा कर्मियों व राहगीरों में बहस होती हुई दिखाई दे रही थी। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर पहले ही यातायात मार्ग परिवर्तन किया गया था जो शुक्रवार के मध्यरात्रि से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के समाप्ति तक लागू रहा ।इसके चलते सबसे अधिक परेशानी उन राहगीरों को हो रही थी जो अनजाने में शहर के अंदर आने का प्रयास कर रहे थे। परंतु सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें डांटकर वापस भगा दिया। इस मार्ग पर राहगीरों व वाहनों के प्रतिबंधा होने के चलते सिर्फ वही महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लता मंगेशकर चौराहे तक अधिकारियों की गाड़ियों की हूटर ही सुनाई दे रही थी। बताते चलें कि उनके कार्यक्रम को लेकर भारी संख्या में एसपीजी,एनएसजी,एटीएस,3 डीआईजी,17 एसपी, 40 एएसपी,82 डीएसपी,90 पुलिस इंस्पेक्टर अलग–अलग प्वाइंट्स पर तैनात रहे ।वही 14 कंपनी पीएसी, 6 कंपनी सीआरपीएफ तैनात रहे ।जबकि 6 हजार पुलिसकर्मी अयोध्या में तैनात किए गए थे। सुरक्षा की दृष्टि से प्रमुख स्थलों की छतों पर कमांडो तैनात किए गए थे।

घने कोहरे की चादर में लिपटा प्रदेश, हादसों में 10 की मौत, 17 फ्लाइट निरस्त, 29 जिलों में अलर्ट

लखनऊ (संवाददाता) । इस बार दिसंबर के अंत में लोगों को गलन भरी ठंड का अहसास हुआ है। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों को बृहस्पतिवार को भी घने कोहरे की मार झेलनी पड़ी है। कम दृश्यता के चलते जगह–जगह हुए हादसों में 10 लोगों की जान चली गई है, जबकि 24 से ज्यादा घायल हैं। कोहरे के चलते बृहस्पतिवार को यातायात व्यवस्था इस कदर चरमराई कि लखनऊ से आने–जाने वाली 17 फ्लाइटें निरस्त करनी पड़ी। कई डायवर्ट भी की गईं। ट्रेनों की चाल ऐसी बिगड़ी कि शताब्दी व तेजस जैसी वीआईपी ट्रेनों का संचालन रद्द करना पड़ा। लखनऊ से गुजरने वाली 40 से ज्यादा ट्रेनें एक से आठ घंटे तक की देरी से चलीं। सबसे ज्यादा मार दिल्ली, पंजाब व जम्मू रूट की ट्रेनों पर पड़ी है।

ब्लाक भरखनी की ग्राम पंचायत अमृता में बृहद गांव संरक्षण केंद्र का शुभारंभ सांसद जयप्रकाश ने किया

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। विधानसभा क्षेत्र सवायजपुर के विकास खण्ड भरखनी के ग्राम पंचायत अमिरता में नवनिर्मित वृहद गौ संरक्षण केंद्र का शुभारम्भ सांसद जय प्रकाश रावत जी के साथ मिलकर किया साथ ही भारत विकसित यात्रा के तहत आयोजित ग्राम चौपाल में भाग लिया।।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी अरुणिमा श्रीवास्तव, जिला पशु चिकित्सा अधिकारी रचना दीक्षित खण्ड विकास अधिकारी अशोक दुवे, खण्ड शिक्षा अधिकारी पूजा चौहान ब्लाक प्रमुख हरपालपुर अनोखे लाल कश्यप भरखनी अंजू सिंह साण्डी प्रतिनिधि मनोज दीक्षित सहित क्षेत्रीय गणमान्यजनों में वुधपाल सिंह अमिरता, श्याम सिंह लुदियापुर, धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी जी सहित पार्टी के मण्डल अध्यक्ष केपी सिंह, शिवम तिवारी, जैनेन्द्र सिंह सहित क्षेत्रीय प्रधान वन्धु व क्षेत्रीय गणमान्य जन उपस्थित रहे।

रोडवेज बस ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, एक की मौत

लखनऊ (संवाददाता) । ठाकुरगंज के बालागंज चौराहे पर बृहस्पतिवार को रोडवेज बस ने ई रिक्शा में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ई रिक्शा में सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य मामूली रूप से घायल हो गए। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर के मुताबिक बृहस्पतिवार शाम छह बजे हरदोई डिपो की रोडवेज बस तेज रफ्तार में जा रही थी। बालागंज चौराहे पर बस ने आगे जा रहे ई रिक्शा में टक्कर मार दी। इससे ई रिक्शा पलट गया और उसमें सवार संडीला के रहने वाले सुलभ शौचालय के सफाईकर्मी गिरधारी (35) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य सवारियां व ई रिक्शा चालक मामूली रूप से घायल हो गया।

बीएड के लिए पांच तक खोला गया एलयूआरएन

लखनऊ (संवाददाता) । लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2023–24 में बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए पांच जनवरी तक लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) पोर्टल खोल दिया है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।